mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-62 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
04 मार्च 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

अवकाश सूचना

सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभचिंतकों को सूचित किया जाता है कि रंगों के पर्व होली के पावन अवसर पर हमारे समाचार पत्र कार्यालय – 4 मार्च 2026 को बंद रहेगा। अगला अंक 6 मार्च 2026 को प्रकाशित होगा।

यह पवित्र रंगों का त्योहार आपके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की सौगात लाए। हम दिल से कामना करते हैं कि प्रेम, भाईचारे और सामूहिकता की भावना हमेशा बनी रहे। आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

–संपादक
मीडिया ऑडीटर

फोन टैपिंग के आरोपों पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का पलटवार, बोले-'हमारे रिश्ते दूध-शहद जैसे'

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार पर नजर रखने के लिए फोन टैपिंग कराए जाने के विपक्ष के आरोपों पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पलटवार किया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक और केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी की ओर से लगाए गए आरोपों को उन्होंने 'चोर की दाढ़ी में तिनका' कहावत से जोड़ते हुए हताशा भरा बयान बताया। अपने जारी बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने के बाद से ही उनके और डी.के. शिवकुमार के संबंधों में दरार डालने की लगातार कोशिश की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'हम दोनों के संबंध दूध-शहद जैसे हैं।

झूठी खबरों से हमारे रिश्ते पर कोई असर नहीं पड़ेगा।' मुख्यमंत्री ने कहा कि आरोप लगाने वाले नेता अपने कार्यकाल में गृह विभाग और खुफिया विभाग संभाल चुके हैं, इसलिए उनके अनुभव के आधार पर ही ऐसे आरोप लगाए जा रहे प्रतीत होते हैं।

उन्होंने कहा, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र है। यह न तो भारतीय जनता पार्टी की तरह है, जहां प्रधानमंत्री के सामने बोलने में हिचक होती है और न ही जनता दल (सेक्युलर) की तरह, जहां एक परिवार का वर्चस्व है। हमारे विधायक किसी व्यक्ति विशेष के नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी के समर्थक हैं। हाईकमान का निर्णय ही अंतिम होता है। 'सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि भाजपा और जेडीएस के नेता डी.के. शिवकुमार को अपने पक्ष में करने के लिए साजिशन संबंध खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला-एआई जेनरेटेड सबूतों पर फैसला लेना बिल्कुल गलत

इसका सीधा असर न्याय प्रक्रिया पर पड़ता है; बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस

नई दिल्ली/विजयवाड़ा,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से तैयार सबूतों के आधार पर फैसला लिखना गलत है। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि यह साधारण गलती नहीं हो सकती।कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 10 मार्च को होगी। दरअसल अगस्त 2023 में आंध्र प्रदेश की एक ट्रायल कोर्ट ने विवादित प्रॉपर्टी केस में AI से बनी तस्वीर के आधार पर फैसला दिया।

गुणवत्ता से समझौता नहीं, वैश्विक मानकों से आगे बढ़ें भारतीय उत्पाद : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत को मिले वैश्विक अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता न केवल अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होनी चाहिए, बल्कि उनसे बेहतर भी होनी चाहिए। गुणवत्ता के मामले में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'आर्थिक विकास को बनाए रखना और मजबूत करना' विषय पर आयोजित बजट उपरांत वेबिनार को संबोधित करते हुए उद्योग जगत से अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाने तथा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि आज जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं पुनर्गठित हो रही हैं और भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व की आशा बनी हुई है, तब देश के लिए अधिक निर्माण, अधिक उत्पादन, अधिक संपर्क और अब अधिक निर्यात की दिशा में आगे बढ़ना

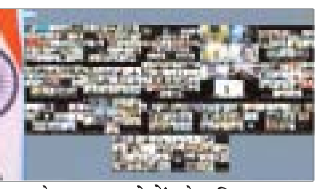

आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने अनेक देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिससे नए अवसरों के द्वार खुले हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए उद्योगों को अन्य देशों की आवश्यकताओं और वहां के उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं का गहन अध्ययन करना होगा तथा उपयोगकर्ता अनुकूल उत्पाद विकसित करने होंगे। उन्होंने उद्योग, वित्तीय संस्थानों और राज्य सरकारों से समन्वित प्रयासों के माध्यम से जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि विनिर्माण और उत्पादन बढ़ाने, लागत ढांचे को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने, निवेश के प्रवाह को तेज करने तथा देश के दूरस्थ क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देना होगा।

प्रधानमंत्री ने बजट में घोषित बायोफार्मा शक्ति मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य भारत को जैविक औषधियों और अगली पीढ़ी की चिकित्सा के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र बनाना है। उन्होंने स्वच्छ प्रौद्योगिकी में निवेश और कार्बन अवशोषण, उपयोग एवं भंडारण मिशन जैसी पहलों के माध्यम से सतत विकास को व्यापार की मूल रणनीति का हिस्सा बनाने पर भी बल दिया।

उन्होंने कहा कि आधारभूत संरचना और परिवहन तंत्र देश की विकास रणनीति के प्रमुख स्तंभ हैं और बजट में पूंजीगत व्यय का रिकॉर्ड प्रावधान इन प्राथमिकताओं को सशक्त करने के लिए किया गया है।

महाराष्ट्र के पालघर में केमिकल-प्लांट से ओलियम गैस का रिसाव

इलाके में मची अफरा-तफरी, 2600 लोगों को सुरक्षित जगह पर शिफ्ट किया गया

पालघर, एजेंसी। महाराष्ट्र के पालघर जिले में स्थित एक केमिकल प्लांट में सोमवार दोपहर करीब 2 बजे ओलियम गैस का रिसाव हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ और आपातकालीन की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। रेस्क्यू टीमें प्लांट से गैस रिसाव रोकने की कोशिश में लगी हैं। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर इलाके से करीब 2600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया है। फिलहाल घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। पालघर के एसपी यतीश देशमुख ने बताया- बोइसर स्थित भगेरिया केमिकल्स कंपनी में सोमवार दोपहर 2 बजे ओलियम गैस लीक होने की सूचना मिली जिला प्रशासन और फायर ब्रिगेड गैस रिसाव को नियंत्रित करने के लिए ऑपरेशन चला रहे हैं। फिलहाल रिसाव जारी है।

बंगाल से सटी हुई भारत–नेपाल सीमा 72 घंटे के लिए बंद

सिलीगुड़ी, एजेंसी। नेपाल में पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव को देखते हुए मंगलवार से पश्चिम बंगाल से लगी भारत–नेपाल सीमा 72 घंटे के लिए बंद कर दी गई है। पानीटंकी सीमा पर आवागमन पूरी तरह रोक दिया गया है। इस दौरान दोनों देशों के नागरिकों का आना–जाना और व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह बंद रहेंगी। हालांकि, आपातकालीन सेवाओं के तहत एम्बुलेंस सेवा चालू रखी गई है।

प्रशासन की ओर से बताया गया है कि छह मार्च की सुबह से सीमा पर आवाजाही फिर से सामान्य हो जाएगी। पानीटंकी सीमा का व्यापार मुख्य रूप से नेपाल के नागरिकों पर निर्भर है, ऐसे में सीमा बंद होने से स्थानीय कारोबार पर असर पड़ना तय है। पानीटंकी व्यापारी समिति के सचिव दीपक चक्रवर्ती ने कहा कि सीमा बंद होने से व्यापार में नुकसान तो होगा, लेकिन अन्य बार की तुलना में इस बार नुकसान कम रहने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि होली के कारण पहले से ही बाजार में मंदी का माहौल है। नेपाल में चुनाव और नई सरकार के गठन को लेकर सीमा क्षेत्र के व्यापारी भी नजर बनाए हुए है। सीमा बंद होने के पहले दिन ही दोनों देशों के कई नागरिक बॉर्डर पर फंस गए, जिससे उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा।

होली मनाने जा रहे पति-पत्नी समेत 6 की मौत,यमुना एक्सप्रेस-वे पर बस-कार की टक्कर

हाथरस, एजेंसी। यूपी के हाथरस में यमुना एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के डबल डेकर बस ने चलती ईको वैन को पीछे टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी समेत 6 लोगों की मौत हो गई, 7 लोग घायल हो गए। मृतकों में 3 आगरा और 3 राजस्थान के धौलपुर के रहने वाले थे। होली के लिए घर जा रहे थे। बस दिल्ली से गोरखपुर, जबकि वैन दिल्ली से धौलपुर जा रही थी। ओवरटेक करने की कोशिश करते वक्त टक्कर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन उछलकर 10 फीट

दूर गिरी। उसका पिछला हिस्सा चकनाचूर हो गया। गनीमत रही कि बस सवार यात्रियों को चोट नहीं आई।

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। सड़क पर लाशें बिछ गईं। एक्सप्रेस-वे पर जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस अफसर पहुंचे। घायलों को तत्काल खंदौली सीएचसी भिजवाया। जहां से तीन को आगरा रेफर कर दिया। हादसा सादाबाद कोतवाली क्षेत्र में हुआ।

ईको वैन से राजस्थान के राजाखेड़ा जा रहे थे 13 लोग हाथरस में यमुना एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 141 पर निजी डबल डेकर बस गोरखपुर की तरफ जा रही थी। बस के आगे ईको वैन चल रही थी। वैन में 13 लोग सवार थे।

सभी होली के त्योहार के लिए अपने-अपने घर जा रहे थे। तड़के 4.15 बजे तेज रफ्तार बस ने वैन को ओवरटेक करने की कोशिश की और बेकाबू होकर वैन को पीछे से टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान विजय (27) पुत्र सुखराम बघेल, पत्नी पिंकी (26) निवासी सुडरई थाना शमशाबाद (आगरा) और नाथू देवी (35) पत्नी अमर सिंह निवासी रोई खास थाना शमशाबाद (आगरा) के रूप में हुई। हादसे में दिनेश (55) पुत्र हुकम सिंह, पत्नी सुनीता (51) निवासी गंगोलियापुर थाना राजाखेड़ा, धौलपुर (राजस्थान) और लोकेश (35) पुत्र भूरी सिंह निवासी चमोली घर थाना राजाखेड़ा धौलपुर (राजस्थान) की भी मौत हो गई।

इजराइल-ईरान जंग; जम्मू-कश्मीर में खामेनेई की मौत का विरोध

दुबई से पीवी सिंधु के सहित 149 यात्री दिल्ली और 217 चेन्नई लौटे; दिल्ली से 80+ इंटरनेशनल फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली,एजेंसी। इजराइल-ईरान जंग का आज चौथा दिन है। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के विरोध में आज भी जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन हो रहे हैं। बांदीपोरा के शादीपोरा में शिया समुदाय ने खामेनेई के पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। श्रीनगर आज लगातार दूसरे दिन बंद है। भारत सरकार ने सभी राज्यों को भड़काऊ भाषणों के लिए अलर्ट रहने का निर्देश दिया है।

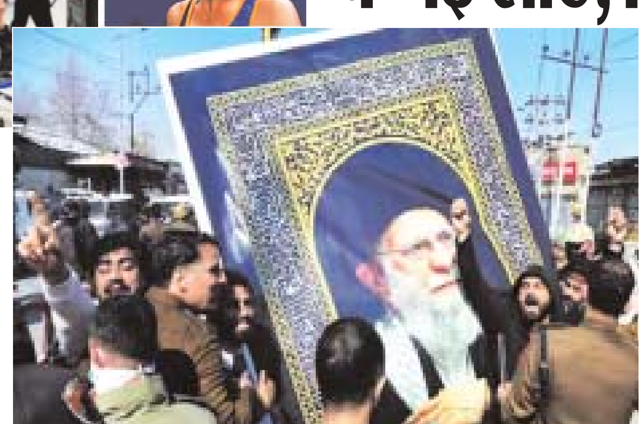

जंग के कारण लगातार चौथे दिन दिल्ली एयरपोर्ट पर 80+ इंटरनेशनल फ्लाइट कैंसिल हैं। हालांकि आज सुबह एअर इंडिया की AI916D फ्लाइट दुबई से 149 यात्री और 8 केबिन क्रू के साथ दिल्ली लैंड हुई। वहां फंसी भारतीय शटलर पीवी सिंधु भी वापस आई।

इसके अलावा सोमवार देर रात दुबई से अमीरात की 3 फ्लाइट EK500 दुबई से मुंबई, EK526 दुबई से हैदराबाद, EK568 दुबई से बेंगलुरु और EK542 दुबई से चेन्नई लैंड हुई, इसमें 217 यात्री-क्रू सवाल थे। अबू धाबी से भी एक फ्लाइट दिल्ली लैंड हुई है।

इंडिगो भी आज सऊदी अरब के जेद्दा से हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली और अहमदाबाद के लिए 10 स्पेशल फ्लाइट ऑपरेट कर रहा है। वहीं, एअर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट के लिए उड़ान शुरू की हैं। इस बीच, अबू धाबी की एतिहाद, दुबई की एमीरात और फ्लाईदुबई ने चुनिंदा उड़ानें शुरू की हैं। अबू धाबी एयरपोर्ट से एतिहाद की 15 उड़ानें इस्लामाबाद, पेरिस, एम्सटर्डम, मुंबई, काहिरा, लंदन के लिए रवाना हुई।

सोनिया बोलीं-खामेनेई की हत्या पर भारत की चुप्पी से हैरानी

यह न्यूट्रल रहना नहीं, जिम्मेदारी से पीछे हटना; यह पीएम की ईरान पर हमले की अनदेखी

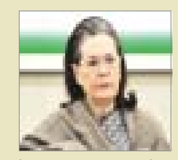

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर भारत सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा– दिल्ली की चुप्पी हैरान करने वाली है, यह तटस्थता (न्यूट्रल) नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है। मंगलवार को इंडियन एक्सप्रेस में पब्लिश आर्टिकल में उन्होंने लिखा– 1 मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की एक दिन पहले अमेरिका और इजराइल के टारगेटेड अटैक में हत्या कर दी गई। जब दो देशों की डिप्लोमैट लेवल की बातचीत चल रही हो, तब एक मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर दरार को दिखाती है। सोनिया ने लिखा कि भारत सरकार ने न तो हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। मोदी ने अमेरिका–इजराइल के हमले को अनदेखा किया, केवल यूएई पर ईरान की जवाबी कार्रवाई की निंदा की। बाद में पीएम ने 'गहरी चिंता' और 'बातचीत व कूटनीति' की बात कही। जबकि हमला उस समय हुआ, जब दो देशों के बीच कूटनीतिक प्रक्रिया जारी थी।

पश्चिम एशिया तनाव पर बोले राहुल- शांति का रास्ता संवाद व संयम से ही निकलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए कहा कि यह हालात पूरे क्षेत्र को बड़े संघर्ष की ओर धकेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तनाव से करोड़ों लोग, जिनमें लगभग एक करोड़ भारतीय भी हैं, असुरक्षा और अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले हमले संकट को और गहरा करेंगे। उन्होंने अमेरिका–इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों और ईरान द्वारा अन्य मध्य–पूर्वी देशों पर किए गए हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि हिंसा से केवल हिंसा ही जन्म लेती है और शांति का रास्ता संवाद और संयम से ही निकल सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत को नैतिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून तथा मानव जीवन की रक्षा के लिए साफ–साफ बोलने का साहस दिखाना चाहिए।

देशभरहोली की धूम, महाकाल को भस्म आरती में लगाया हर्बल गुलाल

रंग लाने पर रोक फिर भी उमड़ी आस्था

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज होली का पर्व पारंपरिक उल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। सुबह भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल को हर्बल गुलाल अर्पित कर होली पर्व की शुरुआत की गई। बाबा महाकाल को शक्कर की माला चढ़ाई गई। हालांकि सुरक्षा कारणों से मंदिर समिति ने इस बार श्रद्धालुओं को गुलाल ले जाने की अनुमति नहीं दी लेकिन भक्तों की आस्था में कोई कमी नहीं आई और मंदिर में भक्तों का सैलाब देखने को मिला।

भगवान महाकाल को लगाया हर्बल गुलालः हर साल की तरह इस बार भी महाकाल मंदिर में भक्तों ने भगवान के साथ होली खेलने की इच्छा जताई लेकिन पिछले साल हुए हादसे के बाद सुरक्षा कड़ी कर दी गई। भस्म आरती में भगवान महाकाल को विशेष रूप से हर्बल गुलाल अर्पित किया गया और श्रद्धालुओं को केवल दर्शन व आरती का लाभ लेने दिया गया।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में इस बार गुलाल की सीमित मात्रा ही भगवान को अर्पित की गई। संध्या आरती से पहले भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर, श्री कोटेश्वर, श्री रामेश्वर और श्री वीरभद्र को भी गुलाल अर्पण किया गया। इसके बाद परंपरा अनुसार भगवान महाकाल को शक्कर की माला, मखाने की माला धारण करवाकर गुलाल अर्पित किया गया। होलिका दहन की परंपरा के तहत, मंदिर के पुजारियों ने

विश्व में सबसे पहले प्रज्वलित होने वाली होलिका का पूजन कर विधिवत दहन किया।

बरसाना में लट्ठमार और लड्डू होली, वाराणसी में मसान

नई दिल्ली, एजेंसी। रंगों का त्यौहार होली 4 मार्च को है, इस लेकर देशभर में रंगों, मिष्ठान, नए कपड़ों और उल्लास के साथ होली की तैयारी जारी है। खुशियों से भरा त्यौहार होली सिर्फ रंग खेलने का मौका नहीं बल्कि बसंत के आगमन, बुराई पर अच्छाई की जीत और प्रेम-भाईचारे का प्रतीक है। होली पूरे देश में अलग-अलग नाम और अनोखे अंदाज के साथ मनाई जाती है। यूपी के ब्रज क्षेत्र में होली सबसे पारंपरिक और जीवंत रूप में मनाई जाती है। यहां होली का उत्सव फगुआ दूज से शुरू होकर कई दिनों तक चलता है। बरसाना और नंदगांव की लट्ठमार होली बहुत प्रसिद्ध है। लोककथा के अनुसार, श्रीकृष्ण राधाजी के गांव बरसाना होली खेलने आए थे। आज भी महिलाएं हंसी-मजाक में पुरुषों पर लाठियां चलाती हैं और पुरुष ढाल से बचाव करते हैं। वहीं, वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में फूलों की होली खेली जाती है। भक्त फूलों की पंखुड़ियां बरसाते हैं। वहीं बरसाना के श्रीजी मंदिर में लड्डू होली की परंपरा है, जहां रंग लगाने से पहले लड्डुओं की वर्षा होती है। ब्रज में होली 40 दिनों तक कई रूपों में मनाई जाती है।

डीएफसी के न्यू तावडू स्टेशन पर होगी ट्रक ऑन ट्रेन की सुविधा, भारी वाहनों का कम होगा दबाव

गुरुग्राम, एजेंसी। न्यू रेवाड़ी स्टेशन के बाद डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) के न्यू तावडू स्टेशन पर भी ट्रक ऑन ट्रेन की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके लिए जमीनी स्तर पर काम तेज कर दिया गया है। जुलाई महीने तक हर हाल में सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। इससे तावडू ही नहीं बल्कि सोहना एवं आसपास के इलाकों पर भारी वाहनों का दबाव काफी कम हो जाएगा। इससे जहां ईंधन की भारी बचत होगी वहीं प्रदूषण का स्तर भी कम होगा। देश में सड़कों पर से भारी व्यावसायिक वाहनों का दबाव कम करने के लिए दो भाग में बांटकर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर बनाया जा रहा है। वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर नोएडा के नजदीक दादरी से लेकर मुंबई में जवाहरलाल नेहरू पोर्ट तक जबकि ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पंजाब के लुधियाना से दादरी होते हुए पश्चिम बंगाल में हावा के नजदीक दानाकुनी तक बनाया जा रहा है। बताया गया कि दोनों भाग का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। कॉरिडोर विकसित किए जाने के बाद भारी व्यावसायिक वाहनों का दबाव सड़कों पर और कैसे कम हो, इस दिशा में केंद्र सरकार प्रयास कर रही है। इसे ध्यान में रखकर ही ट्रक ऑन ट्रेन की सुविधा पर जोर देने का निर्णय लिया है। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर सबसे पहले वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के न्यू रेवाड़ी स्टेशन पर सुविधा उपलब्ध कराई थी। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता को देखते हुए अब नूंह जिले के अंतर्गत ऑन वाले न्यू तावडू स्टेशन पर ट्रक ऑन ट्रेन की सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी तेज कर दी गई है। सुविधा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी एसपीएन प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी को दी गई है।

ट्रक ऑन ट्रेन की सुविधा का विशेष लाभ : ट्रक ऑन ट्रेन की सुविधा उपलब्ध होने पर भारी व्यावसायिक वाहन सीधे ट्रेन में चले जाते हैं। इससे लोडिंग-अनलोडिंग से निजात मिल जाती है। दोनों काम पर काफी खर्च होता है। समय की भारी बचत होती है। कई बार लोडिंग-अनलोडिंग के दौरान सामान डैमेज भी हो जाते हैं। ट्रेन में ही चालकों के लिए आराम की सुविधा होती है। वे आराम से बैठकर जहां जाना है, उसके नजदीक स्टेशन तक पहुंच जाते हैं। केंद्र सरकार का मानना है कि ट्रक ऑन ट्रेन की सुविधा से हादसों के ऊपर भी लगाम लगेगी। भारी व्यावसायिक वाहनों के चालकों के ऊपर निर्धारित समय पर सामान पहुंचाने का दबाव होता है। इस वजह से वे तेजी से चलाते हैं। कई बार नींद ऑन के बाद भी वाहन चलाते हैं। इससे हादसे होते हैं। सुविधा से निर्धारित समय पर सुरक्षित सामान पहुंच जाता है। सड़क मार्ग से सामान पहुंचाने पर दो से तीन प्रतिशत डैमेज हो जाता है। एक ट्रेन में 45 से अधिक ट्रक लोड किए जा सकते हैं। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का न्यू तावडू स्टेशन दूसरा स्टेशन होगा, जहां पर ट्रक ऑन ट्रेन की सुविधा उपलब्ध होगी। जमीनी स्तर पर तेजी से काम चल रहा है। जुलाई तक काम पूरा हो जाएगा। इस सुविधा से समय एवं ईंधन की भारी होती है। हादसों के ऊपर नियंत्रण लगेगा। ऑन वाले समय में कई और स्टेशनों पर ट्रक ऑन ट्रेन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। यह सुविधा समय की मांग है।

यूपी के सरकारी स्कूलों में डिजिटल एप से मजबूत होगी बच्चों की पढ़ाई, नया सत्र होगा हाईटेक

लखनऊ, एजेंसी। परिषदीय विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र से डिजिटल शिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए दीक्षा एप, खान एकेडमी और द टीचर एप को बच्चों और शिक्षकों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है। इन प्लेटफार्म पर कक्षा-वार वीडियो लेसन, इंटरैक्टिव क्विज, अभ्यास सामग्री, ई-पुस्तकें और विषयवार माड्यूल उपलब्ध हैं, जिनसे छात्र अपनी गति से पढ़ाई कर सकते हैं और कठिन विषयों को आसानी से समझ सकते हैं। बच्चों के लिए इन एप की सबसे बड़ी उपयोगिता यह है कि वे रोचक वीडियो और गतिविधियों के माध्यम से गणित, विज्ञान और भाषा जैसे विषयों की बेहतर समझ विकसित कर सकते हैं। वहीं, शिक्षकों के लिए उपलब्ध आनलाइन प्रशिक्षण कोर्सेज के जरिये सतत क्षमता संवर्द्धन (कांटिन्यूअस प्रोफेशनल डेवलपमेंट) को प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि कक्षा शिक्षण और प्रभावी हो सके। गुणवत्तापरक पढ़ाई सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे छात्र-छात्राओं की कार्य पुस्तिकाओं की नियमित जांच करेंगे और आवश्यक रचनात्मक फीडबैक दें। इससे विद्यार्थियों की सीखने की कमियों की पहचान समय पर होगी और उन्हें सुधारने में मदद मिलेगी।

यूपी में राजस्व मामलों के निस्तारण में लखनऊ अव्वल, दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं ये जिले

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में राजस्व मामलों के सबसे अधिक निस्तारण के मामले में लखनऊ ने बाजी मारी है। लखनऊ ने सबसे अधिक कुल 15,981 मामले निस्तारित किए हैं। राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) की फरवरी माह की रिपोर्ट के अनुसार जनपद स्तरीय न्यायालय में राजस्व के मामले निपटाने में एक बार फिर जौनपुर ने अव्वल रहा है। पिछले 15 माह से जौनपुर जिला सर्वश्रेष्ठ पांच जिलों में बना हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि राजस्व विवादों के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाए। उनकी इस पहल का उद्देश्य न केवल जनता को त्वरित न्याय दिलाना है, बल्कि प्रशासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को भी बढ़ावा देना है। इसी के तहत प्रदेश के जिलाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी पूरी तत्परता से मामलों का निस्तारण कर रहे हैं। राजस्व परिषद की आरसीसीएमएस की रिपोर्ट के अनुसार फरवरी में पूरे प्रदेश में कुल 3,34,538 राजस्व मामलों का निस्तारण किया गया। लखनऊ के बाद प्रयागराज में कुल 14,132 मामलों को निस्तारित कर प्रदेश में दूसरे व आजमगढ़ 9,333 मामलों को निस्तारित कर तीसरे स्थान पर है। इसी तरह जौनपुर ने 8,912 मामले निस्तारित कर चौथा और बाराबंकी ने 8,378 मामलों का निस्तारण कर पांचवां स्थान प्राप्त किया है। जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के प्रति माह निस्तारण के मानक 250 के सापेक्ष 542 मामलों का निस्तारण किया है। इसका अनुपात 216.80 प्रतिशत है। इसी के साथ जनपदीय न्यायालय में राजस्व मामलों के निस्तारण में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जबकि मानक 300 के सापेक्ष 381 मामलों का निस्तारण कर दूसरे स्थान पर बस्ती और 353 मामले निस्तारित कर तीसरे स्थान पर प्रतापगढ़ रहा है।

जौनपुर का भी शानदार प्रदर्शन : इसी तरह फरवरी में जौनपुर के जिलाधिकारी न्यायालय ने निर्धारित 30 मामलों के मानक के मुकाबले 86 मामलों का निस्तारण कर 286.67 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की, जो प्रदेश भर में सबसे अधिक है और जौनपुर प्रदेश भर में पहले स्थान पर है। भदोही के जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा 69 मामले निस्तारित किए गए। वहीं, बिजनौर के जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा 46 मामले निस्तारित किए गये। जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा निस्तारित किए गये मामलों में भदोही दूसरे और बिजनौर तीसरे स्थान पर है।

बंगाल में सरकार बनने के 45 दिनों में लागू करेंगे 7वां वेतन आयोग, अमित शाह का बड़ा एलान

कोलकाता, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दक्षिण 24 परगना में पार्टी की परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाई। शाह ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के चुनावी वादों में बड़ा एलान किया है। शाह ने महिलाओं को मजबूत बनाने के लिए 5,700 करोड़ रुपये के पैकेज का वादा किया। इसके साथ ही बीजेपी के सत्ता में आने के 45 दिनों के अंदर बंगाल में पे कमीशन लागू करने के बारे में भी कहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने मथुरापुर में एक सभा में कहा, ममता सरकार ने कर्मचारियों पे कमीशन पर ही अटकाए रखा। हजारों युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए अप्लाई करने का मौका नहीं मिला, जिससे पोस्ट खाली रखी गई। बीजेपी इन खाली पदों पर भर्ती के लिए उम्र में पांच साल की खास छूट देगी। अमित शाह ने 2024 में एक पोस्टग्रेजुएट रेजिडेंट के रेप-मर्डर का जिक्र करते हुए कहा, चाहे वह आरजी कर हो या संदेशखली में गुंडों द्वारा बड़े पैमाने पर यौन उत्पीड़न के मामले ममता सरकार ने महिलाओं पर अत्याचार किए हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस का संकल्प है। अमित शाह ने ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, परिवर्तन यात्रा का मकसद सिर्फ तृणमूल सरकार को हटाना नहीं है, बल्कि राज्य को घुसपैठ, भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज से भी छुटकारा दिलाना है। शाह ने आगे कहा, बंगाल सरकार ने साइंस और टेक्नोलॉजी के लिए बजट में 80 करोड़ रुपये और मदरसों के लिए 5,700 करोड़ रुपये देकर तुष्टीकरण की सारी हदें पार कर दी हैं।

खाड़ी देशों की ओर जाने वाली 100 से अधिक उड़ानें रद्द, यात्री बोले-नहीं होनी चाहिए जंग

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व में जारी स्थिति की वजह से पश्चिम की ओर जाने वाली कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देरी और समय-सारणी में बदलाव हो रहे हैं। खाड़ी देशों की ओर जाने वाली 100 से अधिक उड़ानें मंगलवार को रद्द कर दी गईं, जिसके चलते इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों की संख्या में भारी कमी देखने को मिल रही है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपने मेहमानों के लेने आए खुर्रम शाहजहां ने आईएएनएस से कहा कि मुझे कई मेहमानों का स्वागत करना था, इसलिए मैं हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर आया था। रिजर्वेशन काउंटर पर मुझे बताया गया कि फिलहाल कोई टिकट जारी नहीं किए जा रहे हैं। मुझे पता चला कि सुबह विमानों ने उड़ान भरी थी लेकिन वे भी वापस आ गईं। गल्फ कंट्री के लिए अभी कोई भी विमान उड़ान नहीं भर रहा है। दुबई, दोहा, कुवैत, बहरीन के लिए कोई भी फ्लाइट ऑपरेट नहीं हो रही है। किसी के पास कोई कंन्फर्म डेट नहीं है कि कब तक स्थिति सामान्य होगी। उन्होंने कहा कि स्टॉफ ने बताया कि आज, कल या पांच तारीख के बाद से स्थिति नॉर्मल भी हो सकती है। कुछ यात्रियों को उड़ान कैंसिल होने के मैसेज आए हैं, लेकिन अभी रिजर्वेशन के लिए कोई भी कुछ बता नहीं पा रहा है। एक महिला यात्री ने आईएएनएस से कहा कि हमें डर था कि हमारी उड़ान रद्द हो सकती है।

गुरुग्राम के सेक्टर 58 से 115 तक 24 मीटर तक सड़कों को चौड़ा कर बदलेंगे शहर की सूरत, कनेक्टिविटी होगी आसान

नया गुरुग्राम, एजेंसी। सेक्टर 58 से 115 तक के नए विकसित इलाकों में वर्षों से अधूरी सेक्टर सड़कों और खराब कनेक्टिविटी की समस्या ने निवासियों का जीवन मुश्किल बना रखा है। कई सेक्टरों में 24 मीटर चौड़ी आंतरिक सड़कें अब तक विकसित नहीं हो पाई हैं, जिसके चलते रोजाना जाम, धूल, कीचड़ और आपातकालीन सेवाओं में देरी जैसी गंभीर समस्याएं सामने आती रही हैं। इसी की में राज्य बजट के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा इन सड़कों के निर्माण को लेकर की गई घोषणा को एक बड़े और निर्णायक कदम के रूप में देखा जा रहा है। इन क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती आबादी और रिहायशी परियोजनाओं के बावजूद बुनियादी ढांचे का विकास उसी अनुपात में नहीं हो पाया, जिससे लोगों को दैनिक आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बजट में किया गया यह प्रविधान लंबे समय से चली आ रही इस खाई को पाटने की दिशा में अहम पहल माना जा रहा है।

बजट भाषण में सरकार ने स्पष्ट किया है कि 24 मीटर चौड़ी आंतरिक सड़कों के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण स्वयं सरकार करेगी, जिससे वर्षों से अटकी इस समस्या का स्थायी समाधान निकल सकेगा। इस फैसले से न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि पूरे क्षेत्र में रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे के विकास को भी नई गति मिलेगी। बजट में इस घोषणा का आना हमारे लिए ऐतिहासिक पल है। यह फैसला लाखों लोगों के जीवन को सीधे प्रभावित करेगा। हम सरकार के इस कदम का स्वागत करते हैं, लेकिन साथ ही यह भी अपील करते हैं कि इसके लिए एक निश्चित टाइम फ्रेम तय किया जाए और काम शुरू होने की तारीख जल्द घोषित हो। आज की स्थिति में कई सेक्टरों में बुनियादी सड़क कनेक्टिविटी तक नहीं है। एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड को पहुंचने में दिक्कत होती है। बजट में हुई यह घोषणा जमीनी स्तर पर लागू होती है तो बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।÷ ÷सरकार ने हमारी वर्षों पुरानी मांग को समझा है। यह एक सकारात्मक पहल है, अब जरूरत है कि इसे तेजी से लागू किया जाए ताकि लोगों को वास्तविक राहत मिल सके।÷ ÷सड़कों की कमी के कारण पूरे इलाके का विकास प्रभावित हो रहा था। बजट में यह घोषणा आने से निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर दोनों को बढ़ावा मिलेगा।÷ ÷घोषणा स्वागत योग्य है, लेकिन अब सबसे अहम है कि सरकार इसे समयबद्ध तरीके से लागू करे। लोगों का धैर्य अब जवाब दे रहा है।

दिल्ली की विवाहित महिला की हत्या कर नोएडा में फेंका शव, कनॉट प्लेस की कंचन के रूप में हुई पहचान

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र स्थित गुलशन माल के सामने सर्विस रोड पर सोमवार सुबह एक महिला का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए। वहीं, घटनास्थल से मिले पैन कार्ड के आधार पर शव दिल्ली की एक विवाहित महिला का निकला। पते पर महिला के पति के नहीं मिलने से उस पर हत्या करने का शक जताया जा रहा है।

पुलिस की तीन टीम महिला के पति की तलाश में जुटी हैं। करीब एक दिन पुराना शव होने के चलते दूसरी जगह हत्या कर नोएडा में ठिकाने लगाना सामने आया है। एक राहगीर ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी कि गुलशन माल के सामने सर्विस रोड पर किसी महिला का शव पड़ा है। एक्सप्रेसवे थाना पुलिस मौके पर पहुंची। महिला ने नाइट शूट पहना हुए था। गले समेत शरीर पर चोट आदि के निशान नहीं मिलने से मौत का स्पष्ट कारण पता नहीं चल सका। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम को भिजवा दिया। महिला के पास से एक पैन कार्ड मिला। इससे महिला की पहचान दिल्ली कनॉट प्लेस स्थित काली मंदिर के पास रहने वाली कंचन पुत्री जय सिंह के रूप में हुई। स्थानीय लोगों ने पति-पत्नी में विवाद होने की जानकारी दी। इससे पुलिस प्रेम-प्रसंग या व्यक्तिगत विवाद को हत्या का मुख्य कारण मानकर चल रही है। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर पर ही मौत का स्पष्ट कारण पता चलेगा।

पहले भी मिल चुके हैं शव : नोएडा में पहले भी दूसरी जगह हत्या कर शव ठिकाने लगाने के मामले सामने आ चुके हैं। छह नवंबर 2025 को सेक्टर 39 थाना क्षेत्र के सेक्टर 108 में महिला का सिर व हाथ कटा शव मिला था। महिला की बस चालक प्रेमी ने प्रेम-प्रसंग में हत्या की थी। 22 जुलाई 2023 को फेस दो थाना क्षेत्र में सर्विस रोड के पास महिला का शव मिला हुआ। नौ मार्च 2022 को थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में अज्ञात महिला का शव मिला था। लूटपाट के दौरान हत्या कर शव फेंका गया था। 18 नवंबर 2021 में सेक्टर 63 क्षेत्र में सड़क किनारे युवती का शव मिला था। जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई थी।

पश्चिम एशिया में तनाव- ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नेतन्याहू बोले- केवल इस्राइल नहीं

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और अमेरिका के संयुक्त कार्रवाई और फिर ईरान के जवाबी हमलों के चलते पश्चिम एशिया बारूद के ढेर पर खड़ा है। मिसाइलों और ड्रोन हमलों ने हालात को युद्ध की कगार पर ला दिया है। इसी बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा बताया है। आइए जानते हैं नेतन्याहू ने और क्या-क्या कहा? पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का बड़ा बयान सामने आया है। सोमवार को नेतन्याहू ने कहा कि ईरान का परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम सिर्फ इस्राइल ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि इस्राइल की सैन्य कार्रवाई का मकसद केवल अपनी सुरक्षा करना नहीं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा को भी मजबूत करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह 'ऑपरेशन रोअरिंग लायन' का तीसरा दिन है, जिसे इस्राइल ने अपने सहयोगी अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मिलकर शुरू किया है उनका कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य इस्राइल के अस्तित्व पर मंडरा रहे खतरों और अमेरिका सहित पूरी दुनिया के लिए खतरा बने ईरानी सैन्य कार्यक्रम को रोकना है। नेतन्याहू यह बयान उस समय दे रहे थे जब वे बेइत शेमेश शहर का दौरा कर रहे थे, जहां रविवार को ईरान की एक बैलिस्टिक मिसाइल रिहायशी इलाके में आ गिरी। इस हमले में 9 लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह शहर यरुशलम से करीब 35 किलोमीटर दूर है।

'खतरा सिर्फ इस्राइल तक सीमित नहीं': अपने बयान में नेतन्याहू ने कहा कि ईरान खुले तौर पर इस्राइल और अमेरिका की मौत जैसे नारे लगाता है, लेकिन उसका खतरा यहीं तक सीमित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान यूरोप को भी निशाना बना सकता है। उन्होंने इशारा किया कि साइप्रस में एक ब्रिटिश ठिकाने पर हमले की खबर इसी खतरे का उदाहरण है।

परमाणु हथियारों पर सख्त चेतावनी: इसके साथ ही इस्राइली प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी कि अगर ईरान परमाणु हथियार और लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें हासिल कर लेता है, तो यह पूरी मानवता के लिए खतरा बन जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी आशंका को देखते हुए इस्राइल ने सैन्य कार्रवाई शुरू की है। नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का खास तौर पर धन्यवाद किया और कहा कि इस अहम अभियान में अमेरिका का साथ दुनिया को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गौरतलब है कि शनिवार को एक संयुक्त अमेरिका-इस्राइल अभियान में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद हालात और बिगड़ गए। इसके जवाब में ईरान ने इस्राइल पर कई हमले किए, जिनमें करीब 10 लोगों की मौत और दर्जनों लोग घायल हुए।

तेहरान पर अमेरिकी हमले का मकसद- रुबियो बोले- स्कूल और नागरिक नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट किया कि अमेरिका का लक्ष्य नागरिक नहीं, बल्कि ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल और नौसैनिक क्षमताओं को कमजोर करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान खुद नागरिक ढांचों को निशाना बना रहा है और जनता को खतरे में डाल रहा है। अमेरिका और इस्राइल की तरफ से ईरान पर किए जा रहे सैन्य कार्रवाई और फिर ईरान की जवाबी हमले ने पूरे पश्चिम एशिया में तनाव सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। इसी बीच अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अमेरिकी सैन्य अभियान के लक्ष्य पर जोर दिया। रुबियो ने बताया कि अमेरिका का ईरान पर हमला किसी स्कूल या नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के लिए नहीं है।

उनका कहना है कि अमेरिका का लक्ष्य ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल बनाने और लॉन्च करने की क्षमता और उसकी नौसैनिक ताकत को कमजोर करना है। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल न कर सके।मेरिका और इस्राइल की तरफ से ईरान पर किए जा रहे है।

अमेरिकी हाउस कमेटी ने जारी की क्लिंटन दंपती से पूछताछ की रिकॉर्डिंग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने हाल ही में अमेरिकी संसद की एक समिति के सामने गवाही दी। यह गवाही बंद कमरे में हुई थी, लेकिन अब उसके वीडियो जारी कर दिए गए हैं। इन वीडियो में क्लिंटन ने खुद को कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से दूर बताते हुए कहा कि उनका रिश्ता बहुत सीमित था। अमेरिका की एक हाउस कमेटी ने पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के बयान के वीडियो सार्वजनिक कर दिए हैं। यह बयान कुख्यात वित्त कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में लिए गए थे। एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के शोषण के गंभीर आरोप थे। कमेटी ने पिछले हफ्ते दो दिनों तक चली लंबी पूछताछ की रिकॉर्डिंग जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं से घंटों तक शपथ लेकर सवाल-जवाब किए गए। बिल क्लिंटन ने कहा कि उन्होंने एपस्टीन से अपना संबंध कई साल पहले ही खत्म कर लिया था, और यह सब 2008 में एपस्टीन के नाबालिग लड़की से देह व्यापार के मामले में दोषी ठहराए जाने से पहले की बात है। क्लिंटन ने समिति को बताया कि उन्होंने एपस्टीन से संबंध वर्षों पहले ही खत्म कर लिए थे, यानी 2008 में जब एपस्टीन ने नाबालिग लड़की से देह व्यापार कराने के मामले में दोष स्वीकार किया, उससे पहले ही। क्लिंटन ने कहा कि जब वह एपस्टीन के साथ थे, तब उन्हें कभी ऐसा नहीं लगा कि वह महिलाओं या लड़कियों की तस्करी में शामिल है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि उन्होंने एपस्टीन के साथ कभी युवा लड़कियों के बारे में कोई चर्चा नहीं की।

हिलेरी बोलीं- एपस्टीन से मुलाकात याद नही : क्लिंटन की पत्नी और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने भी समिति के सामने बयान दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें तो याद भी नहीं कि उन्होंने कभी एपस्टीन से मुलाकात की हो। गवाही के दौरान सांसदों ने क्लिंटन से उन तस्वीरों के बारे में भी सवाल पूछे, जो हाल ही में एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों में सामने आई हैं। एक तस्वीर में वह एक महिला के साथ स्विमिंग पूल में दिख रहे थे। क्लिंटन ने कहा कि वह उस महिला को नहीं जानते और उनके बीच किसी तरह का अनुचित संबंध नहीं था। उन्होंने बताया कि यह तस्वीर ब्रुनेई की एक यात्रा के दौरान की है, जहां कई लोग साथ में तैराकी कर रहे थे। क्लिंटन ने कहा कि उनका एपस्टीन से रिश्ता सिर्फ औपचारिक और शिष्टाचार वाला था। उन्होंने कहा, हम दोस्ताना व्यवहार रखते थे, लेकिन इतने करीबी दोस्त नहीं थे। कांग्रेस के सदस्य यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि एपस्टीन के अपराधों के बारे में किसे क्या जानकारी थी और क्या किसी ने जानबूझकर अनदेखी की। यह मामला अमेरिका की राजनीति में फिर से चर्चा का विषय बन गया है।

क्लिंटन दंपती की गवाही के दौरान ट्रंप का नाम आया सामन : गवाही के दौरान मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम भी आया। क्लिंटन ने बताया कि करीब 20 साल पहले एक चैरिटी गोल्फ कार्यक्रम में उनकी और ट्रंप की एपस्टीन को लेकर थोड़ी बातचीत हुई थी। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने कभी भी ऐसी कोई बात नहीं कही जिससे लगे कि वह किसी गलत काम में शामिल थे। हालांकि क्लिंटन ने यह भी बताया कि ट्रंप और एपस्टीन के बीच बाद में एक रियल एस्टेट डील को लेकर मनमुटाव हो गया था। रिपब्लिकन सांसदों का कहना है कि क्लिंटन की गवाही से यह साबित होता है कि ट्रंप के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। वहीं डेमोक्रेट सांसदों का कहना है कि क्लिंटन का बयान ट्रंप के हालिया दावों से कुछ अलग तस्वीर पेश करता है।

क्लिंटन दंपत्ति ने पहले क्या कहा था : मामले में अपना बयान दर्ज कराने के दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने कहा कि घरेलू हिंसा वाले घर में पले-बढ़े होने के नाते अगर मुझे उसके (एपस्टीन) के कारनामों की जरा भी जानकारी होती, तो मैं न केवल उसके विमान में यात्रा न करता ।

मवेशियों से भरा ट्रक पकड़ा, आरएसएस स्वयंसेवकों ने रोका, चालक सहयोगी से पूछताछ जारी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के सराई थाना क्षेत्र के गन्नई इलाके में देर रात मवेशियों से भरा एक ट्रक पकड़े जाने से हड़कंप मच गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) खंड सरई के स्वयंसेवकों ने संदिग्ध हालत में जा रहे इस ट्रक को घेराबंदी कर रोका जब ट्रक की तलाशी ली गई, तो अंदर का नजारा हैरान करने वाला था ट्रक में क्षमता से कहीं ज्यादा 18 भैंस और दो गायें क्रूरतापूर्वक भरी हुई पाई गईं ट्रक पकड़ने के बाद स्वयंसेवकों ने तुरंत इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी और गाड़ी को बरका चौकी पुलिस के हवाले कर दिया थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदोरिया ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया।

मवेशियों की हालत को देखते हुए उन्हें तुरंत ट्रक से सुरक्षित नीचे उतारा गया और उनके चारे-पानी के लिए उचित स्थान पर भेजा गया। पुलिस ने मौके से ट्रक चालक और उसके एक साथी को हिरासत में ले लिया है। फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि ये मवेशी वैध तरीके से खरीदे गए थे या इन्हें कहीं से चोरी करके ले जाया जा रहा था पुलिस की एक टीम तस्करी के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है थाना प्रभारी के अनुसार, पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन मवेशियों को इतनी बुरी तरह भरकर कहां ले जाया जा रहा था परिवहन से जुड़े जरूरी दस्तावेजों की भी बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो पक्षों में हुई मारपीट, तीन लोग घायल 10 से अधिक लोगों ने घेरकर लाठी-डंडों से पीटा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र में शादी के विवाद को लेकर दोपहर दो पक्षों की हिंसक झड़प हुई ग्राम पड़खुरी (587) में हुए इस हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें रामपुर नैकिन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है घायलों की पहचान पड़खुरी निवासी श्यामसुंदर साहू, जोखनलाल साहू और ममता साहू के रूप में हुई है घायल जोखनलाल साहू की पत्नी आशा साहू ने बताया कि 24 फरवरी को उनकी बेटी की शादी के दौरान कुछ ग्रामीणों से विवाद हुआ था उस समय समझाइश देकर मामला शांत करा दिया गया था परिजनों का आरोप है कि उसी पुराने विवाद की रंजिश में मंगलवार को आरोपियों ने हमला किया। यह घटना ग्राम कंधवार के पास हुई, जब परिवार के सदस्य एक रिश्तेदार को रामपुर छोड़ने जा रहे थे तभी 10 से अधिक लोगों ने उन्हें घेर लिया और लाठी-डंडों से मारपीट की घायल जोखनलाल साहू ने राजकुमार साहू, बब्बू साहू, रवि साहू, शेषमणि साहू, अंकुश साहू सहित कई अन्य लोगों पर हमले का आरोप लगाया है घटना के बाद 108 एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉ. अनूप मिश्रा ने प्राथमिक उपचार किया अस्पताल परिसर में भी आरोपियों ने विवाद करने का प्रयास किया जिसके बाद डॉक्टर ने पुलिस को सूचना दी थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि घायलों के आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और तथ्यों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

दसोंधा तालाब सौंदर्यीकरण में 10 साल में 1 करोड़ खर्च घटिया सामान का हो रहा इस्तेमाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन नगर पंचायत में स्थित दसोंधा तालाब के सौंदर्यीकरण का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है पिछले दस सालों में इस तालाब के कायाकल्प पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा चुके हैं लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है स्थानीय लोगों का कहना है कि भारी-भरकम बजट के बावजूद विकास कार्य या तो अधूरे हैं या उनकी गुणवत्ता बेहद खराब है यह तालाब न केवल नगर की जल संरचना का हिस्सा है बल्कि इसकी मेढ़ पर स्थित मां काली बूढ़ी माता मंदिर के कारण लोगों की गहरी धार्मिक आस्था भी इससे जुड़ी हुई है। रिकॉर्ड के अनुसार साल 2016 से 2026 के बीच तालाब को सुंदर बनाने के लिए एक करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि मंजूर की गई। इस दौरान तालाब के चारों ओर पेवर ब्लॉक लगाने पेड़-पौधे लगाने और तार फेंसिंग जैसे काम कागजों पर दिखाए गए इसके बावजूद आज भी परिसर में चारों ओर अव्यवस्थाओं का अंबार लगा है वार्ड 8 के निवासी शेर अली खान ने आरोप लगाया है कि सौंदर्यीकरण के नाम पर आने वाले बजट का सही इस्तेमाल नहीं हो रहा है और जनता के पैसे की बर्बादी की जा रही है। हाल ही में तालाब की मेढ़ को पक्का करने के लिए लगभग 18 लाख की नई राशि स्वीकृत हुई है स्थानीय निवासियों का कहना है कि मौके पर काम के नाम पर सिर्फ पत्थरों को जमा कर खानापूर्ति की जा रही है निर्माण में इस्तेमाल हो रही सामग्री इतनी घटिया है कि इसकी मजबूती पर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का मानना है कि ठेकेदार और संबंधित अधिकारी मिलकर सरकारी धन का दुरुपयोग कर रहे हैं, जिससे निर्माण कार्य चंद दिनों में ही दम तोड़ सकता है इन गंभीर आरोपों के बीच नगर पंचायत अध्यक्ष रामकुमार साहू का कहना है कि बजट का उपयोग नियमानुसार किया जा रहा है उन्होंने बताया कि पौधरोपण और सौंदर्यीकरण के काम चल रहे हैं और वे खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं। अध्यक्ष ने भरोसा दिलाया है कि हालिया स्वीकृत राशि से हो रहे कामों की जांच पूरी होने और कार्य संतोषजनक पाए जाने के बाद ही भुगतान किया जाएगा।

होली पर भारी वाहनों के संचालन पर रोक सड़कों पर भीड़ रहने के आसार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। होली पर्व के मद्देनजर जिला प्रशासन ने भारी वाहनों के संचालन पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है यह प्रतिबंध 4 मार्च 2026 को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक लागू रहेगा इस अवधि में जिले की सीमा में कोयला, गिट्टी, रेत और मिट्टी जैसे खनिज पदार्थों का परिवहन पूरी तरह वर्जित रहेगा प्रशासन ने बताया कि होलिका दहन और होली के दौरान सड़कों पर भीड़ बढ़ने की संभावना रहती है ऐसे में भारी वाहनों की आवाजाही से यातायात जाम और दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है आमजन की सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियातन यह निर्णय लिया गया है यह आदेश कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया है आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी संबंधित विभागों और थाना प्रभारियों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मझरेटी में हनुमान स्वामी मंदिर में टूटी मिली प्रतिमा शिवसेना ने नई प्रतिमा स्थापित कर प्राण-प्रतिष्ठा करवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली थाना क्षेत्र के मझरेटी समर दहियन स्थित वीर हनुमान स्वामी मंदिर में प्रतिमा तोड़े जाने का मामला सामने आया है घटना के बाद मंगलवार को शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष मौके पर पहुंचे और नई प्रतिमा स्थापित करवाई वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा भी कराई गई। विवेक पांडे की पहल पर नई हनुमान प्रतिमा मंगाई गई। पंडितों ने धार्मिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराई इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर तैनात रहे और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। विवेक पांडे ने आरोप लगाया कि शेरा खान नामक व्यक्ति ने तीसरी बार मंदिर को निशाना बनाया है उन्होंने इसे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की गंभीर घटना बताया पांडे ने प्रशासन से आरोपी पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई करने जिला बदर करने और संपत्ति जब्त करने की मांग की उन्होंने यह भी कहा कि घटना के पीछे किसी साजिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए जानकारी के अनुसार, बीते दिनों देर रात अज्ञात समय पर मंदिर में स्थापित वीर हनुमान स्वामी की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया गया सुबह जब ग्रामीण पूजा के लिए पहुंचे तो प्रतिमा टूटी हुई मिली इसके बाद ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और आरोपी शेरा खान के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया बताया गया है कि आरोपी के खिलाफ पहले भी इसी मंदिर में तोड़फोड़ का मामला दर्ज है जो फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है।

सुपर सीडर: किसानों के लिए वरदान नरवाई का समाधान और बुवाई एक साथ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलायी जा रही हैं और किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी दिशा में *सुपर सीडर एक अत्यंत उपयोगी उपकरण सिद्ध हो रहा है। सुपर सीडर एक ट्रैक्टर से जुड़ा हुआ कृषि यंत्र है, जो नरवाई (धान की कटाई के बाद बची हुई फसल के डंठल) की समस्या का समाधान करता है और साथ ही फसल की बुवाई भी करता है। विशेष रूप से धान की कटाई के बाद गेहूं और चने की बोनी करने वाले किसानों के लिए यह यंत्र बहुत लाभकारी है। यह यंत्र नरवाई को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर उसे मिट्टी में मिला देता है, जिससे नरवाई जलाने की आवश्यकता नहीं रहती। इस उपकरण का उपयोग करने से न केवल पर्यावरण प्रदूषण में कमी आती है, बल्कि मिट्टी की ऊपरी परत में मौजूद लाभकारी बैक्टीरिया का भी संरक्षण होता है। सुपर सीडर से नरवाईयुक्त खेतों में सीधे गेहूं, चना या अन्य फसलों की बुवाई की जा सकती है। इस प्रकार, जो नरवाई पहले समस्या थी, वह अब मिट्टी में मिलकर खाद का कार्य करती है।

सुपर सीडर का लाभ : सुपर सीडर एक घंटे में लगभग एक एकड़ क्षेत्र में नरवाई प्रबंधन और बुवाई का कार्य कर सकता है। इस यंत्र के उपयोग से खेती की लागत में उल्लेखनीय कमी आती है, क्योंकि एक ही यंत्र से तीन प्रमुख कार्य जुताई, नरवाई प्रबंधन और बुवाई हो जाते हैं।

डेढ़ वर्षीय बच्ची के मर्डर में खुलासा, महिला ने पति-देवरानी के संबंध के शक में की वारदात

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। 'बच्ची का मुंह और नाक तब तक दबाए रखा जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। शव को करीब 12 घंटे तक घर के अंदर रजाई में छिपाकर रखा। देर रात शॉल में शव लपेटकर घर से करीब 500 मीटर दूर गेहूं के खेत में फेंक दिया ताकि किसी बाहरी व्यक्ति पर शक हो। पुलिस के सामने यह कबूलनामा है डेढ़ साल की बच्ची की हत्या करने की आरोपी महिला का, जो रिश्ते में बच्ची की बड़ी मां यानी ताई लगती है। बता दें कि 23 फरवरी को सिंगरौली जिले के नेवारा गांव में बच्ची का शव मिला था गढ़वा थाना पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पति और देवरानी के बीच अवैध संबंध के शक में उसने वारदात को अंजाम दिया उसे लगता था कि यह बच्ची भी उसके पति की है। रविवार को आरोपी महिला रानी पनिका (28) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया वहां से उसे जेल भेज दिया गया मामले की तह तक जाने के लिए ने एसपी मनीष खत्री से बात की उन्होंने पूरी घटना को सिलसिलेवार बताया 23 फरवरी को बच्ची का शव एसपी के मुताबिक, 22 फरवरी को नेवारी गांव निवासी शंकर लाल पनिका ने बगदरा पुलिस चौकी में गुमशुदगी दर्ज कराई उन्होंने बताया कि उनकी 18 महीने की पोती प्रियांशु सुबह करीब 9 बजे से लापता है। अगले दिन यानी 23 फरवरी की सुबह बच्ची का शव घर से करीब 500 मीटर दूर गेहूं के खेत में मिला चितरंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर उसका पोस्टमॉर्टम कराया गया शॉर्ट पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण कार्डियो रेस्पिरेटरी अरेस्ट बताया गया इसके बाद परिजनों ने शव को दफना दिया। परिवार वाले पुलिस की जांच से संतुष्ट नहीं थे। सवाल था कि इतनी छोटी बच्ची को हार्ट अटैक कैसे आ सकता है। 24 फरवरी को एसडीओपी राहुल सैय्याम को दोबारा जांच के लिए आवेदन दिया पुलिस ने एसडीएम सौरभ मिश्रा से परमिशन लेकर दफनाए गए शव को कब्र से निकलवाया। इसके बाद रीवा मेडिकल कॉलेज भेजा गया यहां दोबारा पोस्टमॉर्टम किया गया जांच में सामने आया कि बच्ची की मौत दम घुटने से हुई है।

जेम पोर्टल पर जारी हार्डवेयर निविदा पूर्णत: नियमानुसार सीईओ पी.एस. धनवाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित पी.एस. धनवाल ने आज एक बयान में कहा कि बैंक द्वारा जेम पोर्टल पर जारी की गई हार्डवेयर क्रय संबंधी निविदा पूर्णत नियमानुसार और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अनुरूप जारी की गई है। उन्होंने कहा कि इस निविदा के बारे में जो भ्रामक और तथ्यहीन जानकारियां प्रसारित की जा रही हैं वे बिल्कुल निराधार हैं। सीईओ ने बताया कि आवश्यक हार्डवेयर स्पेसिफिकेशन द्वारा निर्धारित किए गए हैं और इन्हें मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक (अपैक्स बैंक) की प्रशासक समिति द्वारा विधिवत अनुमोदित किया गया है इसके बाद प्रदेश के सभी जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों को इन निर्धारित स्पेसिफिकेशन्स के अनुरूप हार्डवेयर क्रय करने के लिए निर्देश प्रदान किए गए थे उन्होंने स्पष्ट किया कि इन निर्देशों के अनुरूप ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित जेम पोर्टल पर एटीसी निर्धारित कर निविदा प्रकाशित की है। धनवाल ने यह भी बताया कि निविदा प्रक्रिया पूर्णत पारदर्शी और प्रतिस्पर्धात्मक है यह पूरी प्रक्रिया जेम पोर्टल के प्रावधानों के अनुसार संचालित की जा रही है इस दौरान किसी भी विशेष फर्म अथवा विक्रेता को लाभ पहुंचाने का कोई उद्देश्य नहीं था उन्होंने कहा कि निविदा के संबंध में प्राप्त सभी रिप्रेजेंटेशन (प्रस्ताव) का नियत समयावधि में जेम पोर्टल पर उत्तर अपलोड कर निराकरण किया गया।

विधायक के आवास पर फगुआ कार्यक्रम :झांझ बजाकर दी होली, कहा-यह समरसता का संदेश देती है, बाजार में बढ़ी खरीदकारी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। होली का पर्व लोग पूरे जोश और उमंग के साथ मना रहे हैं। शहर से लेकर गांव तक रंगों और फगुआ गीतों की धूम दिखाई दे रही है पर्व की रौनक आज से ही साफ नजर आने लगी है रामनिवास शाह के सरकारी आवास पर फगुआ गीतों का विशेष आयोजन किया गया कार्यक्रम में ढोल, नगाड़े, मंजीरे और झांझ की थाप पर पारंपरिक फगुआ गीत गाए गए। विधायक रामनिवास शाह खुद भी कार्यक्रम में शामिल हुए वे झांझ बजाते हुए गीतों की धुन पर गुनगुनाते और थिरकते नजर आए मीडिया से बातचीत में विधायक ने कहा कि होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं है बल्कि यह सामाजिक समरसता और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है उन्होंने कहा कि होलिका दहन के साथ हमें बुराइयों को खत्म करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने हिंदू नववर्ष के आगमन पर भी सभी को नई ऊर्जा और उत्साह के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और जिलेवासियों को होली एवं नवव की शुभकामनाएं दीं इस दौरान विधायक अबीर-गुलाल में रंगे नजर आए उधर, जिला मुख्यालय का बाजार भी पूरी तरह होली के रंग में रंगा दिखा। दुकानों पर अबीर-गुलाल, पिचकारी और रंग-बिरंगी सजावटी सामान की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है पूरे शहर में त्योहार जैसा माहौल बना हुआ है।

नदी किनारे मिला युवक का शव, शॉर्ट पीएम में दम घुटने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के कमई गांव में नदी के किनारे एक युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान गांव के ही रहने वाले अभिबरन सिंह के रूप में हुई है। दोपहर के समय जब ग्रामीणों ने शव देखा तो तुरंत इसकी जानकारी लंघाडोल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुष्पेंद्र धुर्वे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की बारीकी से जांच की मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से जरूरी सबूत जुटाए। पुलिस की शुरुआती जांच और शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह मामला एक हादसे का लग है। मृतक की नाक पर गहरी चोट के निशान मिले हैं और जबड़ा भी टूटा हुआ पाया गया है घटनास्थल का मुआयना करने पर पुलिस ने पाया कि वहां से ग्रामीणों के आने-जाने का एक संकरा पैदल रास्ता है।

'डिब्बागोल अर्थव्यवस्था' का युद्ध

संपादकीय

हमने बताया था कि करीब 1 करोड़ भारतीय मध्य-पूर्व के खाड़ी देशों में बसे हैं। उन्होंने वहीं घर बना लिए हैं, काम-धंधा जमा लिया है और उनके बच्चे भी वहीं पढ़ रहे हैं। अरब देशों को भारतीयों की बुनियादी जरूरत है, क्योंकि वे तकनीकी और पेशेवर तौर पर हुनरमंद हैं। अरब देशों के पास सिर्फ तेल-गैस के भंडार हैं। न पर्याप्त शिक्षा है, न प्रौद्योगिकी का अपेक्षाकृत कौशल है और सबसे अहम यह है कि वहां लोकतंत्र भी नहीं है। बेशक ईरान में राष्ट्रपति का चुनाव जनता करती है, लेकिन सुप्रीम लीडर 'मजहबी' है। राष्ट्रपति भी उसके अधीन काम करते हैं। खाड़ी देशों में शेख, सुल्तान और अमीर आदि की ही हुकूमतें हैं। उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से चुना नहीं गया, बल्कि वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी और वंश-दर-वंश इन देशों पर राज कर रहे हैं। वे बुनियादी तौर पर अमरीका के पिट्ठू हैं, क्योंकि उनकी मजबूरी है, क्योंकि वे सैन्य रूप से कमजोर देश हैं, बल्कि अमरीका के ही भरोसे हैं। बहरहाल खाड़ी देशों के भारतीय औसतन 10 लाख करोड़ रुपए सालाना भारत में अपने घरों को भेजते हैं। दुनिया भर से भारतीय जितना धन अपने परिवारों को भेजते हैं, उसका एक-तिहाई हिस्सा खाड़ी वाले भारतीय भेजते हैं। उससे भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। यह राशि भारत के कुल बजट का पांचवां हिस्सा है, जो कई देशों के बजट से अधिक है। भारत ने 2025 में करीब 11.60 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल अरब देशों से आयात किया है। अधिकांश हिस्सा ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात से ही आयात किया गया है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल-आयातक देश है। यदि तेल के दाम 10 डॉलर भी बढ़ते हैं, तो भारत का आयात-बिल 15 अरब डॉलर सालाना बढ़ जाता है। इस अर्थव्यवस्था को समझा जाना चाहिए। यदि अमरीका-इजरायल बनाम ईरान युद्ध लंबा खिंचता है, तो क्या यह अर्थव्यवस्था डांवाडोल हो जाएगी? कमोबेश बड़ी संख्या में भारतीय विस्थापित होकर नहीं लौटेंगे, लिहाजा युद्ध के दौरान उनकी सुरक्षा का सवाल भी बेहद महत्वपूर्ण है। दो दिन के युद्ध ने कच्चे तेल की कीमतें बढ़ा दी हैं। फिलहाल दाम 75-77 डॉलर प्रति बैरल हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि तेल की कीमतें 100-110 डॉलर तक जा सकती हैं। यह तेल कंपनियों का भी खेल होता है, जिन्हें अपने घाटे कम करने होते हैं। यदि युद्ध अनिश्चित साबित हुआ और कंपनियां अपने तेल टैंकर भेजने को डरती रहीं और तेल दक्षिण अफ्रीका के रूट से भेजना पड़ा, तो उनकी लागत बढ़ेगी। नतीजतन तेल के दाम 150 डॉलर तक भी उछल सकते हैं। भारत बहुत बड़ा देश है, लिहाजा उसकी तेल-गैस की खपत और जरूरत भी व्यापक है, लेकिन भारत के पास तेल भंडार सीमित हो सकते हैं। वेनेजुएला आजकल बहुत कम तेल का उत्पादन कर रहा है और उसका तेल भी भारी है, जिसे रिफाइंड करना मुश्किल और खर्चीला है।

त्याग, तप और तर्क के प्रतीक अमर शहीद लाला हरदयाल

योगेश कुमार गोयल

(लाला हरदयाल की पुण्यतिथि (4 मार्च) पर विशेष)

4 मार्च का दिन भारतीय इतिहास के उस पन्ने की याद दिलाता है, जो शौर्य, विद्वत्ता और क्रांति के अद्भुत संगम से रचित है। इसी दिन मां भारती के एक ऐसे सपूत ने इस नश्वर संसार को त्याग दिया था, जिसने अपनी कुशाग्र बुद्धि को विलासिता का साधन बनाने के बजाय स्वतंत्रता की वेदी पर समिधा बना दिया था। लाला हरदयाल, एक ऐसा नाम, जो सुनते ही सैन फ्रांसिस्को के तटों से उठी गदर की लहरें और लाहौर की बौद्धिक चेतना एक साथ जीवंत हो उठती हैं। वे केवल एक क्रांतिकारी नहीं थे बल्कि एक ऐसे मनीषी थे, जिन्होंने कलम और विचार को तलवार से अधिक धारदार बना दिया था।

14 अक्टूबर 1884 को दिल्ली के एक साधारण कायस्थ परिवार में जन्मे हरदयाल माथुर बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उनकी मेधा का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि सेंट स्टीफेंस कॉलेज से संस्कृत में स्नातक और फिर सरकारी वजीफे पर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जाने तक उनकी शैक्षणिक यात्रा स्वर्णाक्षरों में लिखी गई। लेकिन जिस समय अन्य युवा ब्रिटिश हुकूमत की चाकरी कर ऊंचे पदों के स्वप्न देख रहे थे, उस समय हरदयाल के भीतर स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अग्नि प्रज्वलित हो रही थी। उन्होंने अनुभव किया कि फिरंगियों की शिक्षा पद्धति भारतीयों को केवल 'बाबू' बनाने के लिए है, न कि राष्ट्र के निर्माण के लिए। इसी बोध ने उन्हें ऑक्सफोर्ड की छात्रवृत्ति और विलायती सुख-सुविधाओं को लात मारने पर विवश कर दिया।

लाला हरदयाल का व्यक्तित्व विरोधाभासों का एक सुंदर समन्वय था। वे जहां एक ओर संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे, वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन और राजनीति के भी गहरे जानकार थे। उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय अमेरिका में 'गदर पार्टी' की स्थापना के साथ शुरू होता है। जब वे अमेरिका और कनाडा में बसे प्रवासी भारतीयों से मिले तो उन्होंने उनकी आंखों में छिपे उस अपमान को पढ़ा, जो उन्हें गुलाम देश का नागरिक होने के कारण झेलना पड़ता था। हरदयाल ने समझा कि भारत की आजादी की लड़ाई केवल सीमाओं के भीतर रहकर नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद की जड़ों पर प्रहार करके भी लड़ी जा सकती है। 1913 में उन्होंने 'गदर' समाचारपत्र का प्रकाशन शुरू किया, जिसके पहले अंक के शीर्षक 'अंग्रेजी राज का दुश्मन' ने ही फिरंगियों की नींद उड़ा दी थी।

उनका लेखन कोई साधारण गद्य नहीं था बल्कि वह सोई हुई आत्माओं को झकझोरने वाला संगीत था। वे लिखते थे, 'देश के वीरों, हमें सिपाही चाहिए; सिपाही, जो अपनी जान दे सकें। हमें सेनापति चाहिए, जो रणनीतियां बना सकें।' उनके शब्द सीधे दिल पर चोट करते थे। गदर आंदोलन ने केवल सिखों या पंजाबियों को ही नहीं बल्कि हर उस भारतीय को एक सूत्र में पिरो दिया, जो विदेश में रहकर भी अपनी मिट्टी की खुशबू के लिए तरस रहा था। हरदयाल ने सिखाया कि संगठन की शक्ति क्या होती है। उनके प्रयासों से ही करतार सिंह सराभा और विष्णु गणेश पिंगले जैसे वीर योद्धा तैयार हुए, जिन्होंने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया।

हरदयाल जी के विचार केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं थे। वे एक महान समाज सुधारक और तर्कशास्त्री भी थे। उनकी पुस्तक 'हिंट्स फॉर सेल्फ कल्चर' आज भी उन युवाओं के लिए एक मार्गदर्शिका है, जो अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना चाहते हैं। वे मानते थे कि शारीरिक, बौद्धिक और नैतिक उन्नति के बिना कोई भी राष्ट्र महान नहीं बन सकता। उनकी विद्वत्ता का लोहा दुनिया मानती थी, वे एक साथ कई भाषाओं के ज्ञाता थे और उनकी स्मरण शक्ति के किस्से आज भी किंवदंती की तरह सुने जाते हैं।

इस महान क्रांतिकारी का मार्ग कांटों से भरा था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जब उन्होंने जर्मनी के सहयोग से भारत को स्वतंत्र कराने की योजना बनाई तो ब्रिटिश खुफिया तंत्र उनके पीछे हाथ धोकर पड़ गया। उन्हें एक देश से दूसरे देश शरण लेनी पड़ी। कभी स्विट्जरलैंड, कभी जर्मनी, तो कभी स्वीडन, निर्वासन का यह दुख उन्होंने केवल इसलिए सहा ताकि भारत माता की बेड़ियां काटी जा सकें।

भारत में युवाओं के मेंटल हेल्थ को लेकर चौंकाने वाला आकड़ा आया

84 देशों की स्टडी में भारतीय युवा 60वें स्थान पर,मेंटल हेल्थ को लेकर बढ़ी चिंता डिजिटल युग,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और युवा मानसिक स्वास्थ्य- वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत की स्थिति का समग्र विश्लेषण भारतीय युवाओं के मेंटल हेल्थ को लेकर बढ़ी चिंता- प्रश्न तकनीक बनाम मानव का नहीं, बल्कि संतुलन का है,डिजिटल युग में रहकर डिजिटल अनुशासन विकसित करना ही समाधान है वैश्विक स्तरपर वर्तमान डिजिटल युग में प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव जीवन को अभूतपूर्व गति, सुविधा और वैश्विक संपर्क प्रदान किया है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

ओपनएआई, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों द्वारा विकसित एआई उपकरणों ने शिक्षा,स्वास्थ्य, वित्त, प्रशासन और व्यक्तिगत जीवन के निर्णयों तक में गहरी पैठ बना ली है।भारत जैसे युवा देश में यह प्रभाव और भी व्यापक है,जहाँ डिजिटल क्रांति ने स्मार्टफोन और इंटरनेट को जनसामान्य तक पहुँचा दिया है।किंतु इसी परिवर्तनशील परिदृश्य में एक गंभीर प्रश्न उभर रहा है,क्या अत्यधिक डिजिटल निर्भरता और शॉर्ट वीडियो संस्कृति हमारे युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि भारतीय चिंतन परंपरा में कहा गया है 'अति सर्वत्र वर्जयेत।' यह केवल नैतिक उपदेश नहीं,बल्कि संतुलित जीवन का वैज्ञानिक सिद्धांत है।इसका भावार्थ है जब तकनीक, साधन से अधिक उद्देश्य बन जाती है, तब उसके दुष्प्रभाव स्पष्ट होने लगते हैं।हाल ही में 26 फरवरी 2026 को जर्मनी से जारी ग्लोबल माइंड हेल्थ रिपोर्ट 2025 ने इसी चिंता को तथ्यात्मक आधार दिया है।यह रिपोर्ट स्पेन लेबस के ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट के अंतर्गत तैयार की गई है। विश्व के 84 देशों के 10 लाख से अधिकप्रतिभागियों के डेटा पर आधारित इस अध्ययन में 78,093 भारतीयों को शामिल किया गया,जिनमें 29,594 प्रतिभागी 18-34 वर्ष आयु वर्ग के थे और 24,088 प्रतिभागी 55 वर्ष से अधिक आयु के थे। रिपोर्ट के अनुसार 18 से 34 वर्ष के भारतीय युवा मानसिक स्वास्थ्य के मानकों पर 84 देशों में 60वें स्थान पर हैं। उनका माइंड हेल्थ क्वोशेंट स्कोर मात्र 33 दर्ज किया गया, जबकि 55 वर्ष से अधिक आयु वर्ग का स्कोर 96 रहा और वे वैश्विक रैंकिंग में 49वें स्थान पर रहे। यह पीढ़ीगत अंतर केवल सांख्यिकीय नहीं,बल्कि सामाजिक संरचना में गहरे परिवर्तन का संकेत है।यहाँ यह उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने 2017 में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम लागू किया था,जोमानसिक रोगियों के अधिकारों की रक्षा करता है। परंतु जमीनी स्तर पर जागरूकता और संसाधनों की कमी के कारण इसका प्रभाव सीमित रहा है। मनोचिकित्सकों की उपलब्धता प्रति लाख जनसंख्या के अनुपात में अत्यंत कम है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की तुलना में भारत में मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की संख्या अपर्याप्त है।भारत यदि इस चुनौती को गंभीरता से लेकर समग्र रणनीति अपनाता है, तो भविष्य में वैश्विक रैंकिंग में सुधार संभव है। मानसिक स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत सुख- शांति का विषय नहीं,बल्कि राष्ट्र की सामूहिक चेतना और प्रगति का आधार है। इसलिए 2025 की यह रिपोर्ट केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति-निर्माताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और युवाओं,सभी के लिए एक साझा आह्वान है कि मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाए और स्वस्थ, संतुलित तथा सशक्त युवा पीढ़ी का सटीकता से निर्माण किया जाए।

साथियों बात अगर हम एमएचक्यू स्कोर को समझने की करें तो यह एक समग्र सूचकांक है,जो व्यक्ति की भावनात्मक स्थिरता,सामाजिक अनुकूलन, ध्यान क्षमता, आत्मनियंत्रण, तनाव से उबरने की क्षमता और जीवन प्रबंधन कौशल को मापता है।जब युवा वर्ग का स्कोर बुजुर्गों की तुलना में लगभग एक-तिहाई रह जाता है, तो यह स्पष्ट करता है कि नई पीढ़ी केवल चिंता या अवसाद से ही नहीं जूझ रही,बल्कि उसकी मूल मनोवैज्ञानिक क्षमताएँ भी कमजोर पड़ रही हैं।रिपोर्ट की प्रमुख वैज्ञानिक और संस्थापक ने स्पष्ट कहा है कि समस्या केवल डिप्रेशन या एंग्जायटी तक सीमित नहीं है;युवाओं में भावनाओं को नियंत्रित करने, ध्यान केंद्रित रखने, स्थिर रिश्ते बनाने और तनाव से उबरने की आधारभूत क्षमता प्रभावित हो रही है।

साथियों बात अगर हम डिजिटल एक्सपोज़र इस गिरावट के प्रमुख कारणों में से एक माना गया है इसको समझने की करें तो,भारत में पहली बार स्मार्टफोन उपयोग की औसत आयु 16.5 वर्ष दर्ज की गई है।किशोरावस्थामस्तिष्क विकास का संवेदनशील चरण होता है,जहाँ न्यूरल नेटवर्क तेजी से विकसित होते हैं। ऐसे समय में निरंतर शॉर्ट वीडियो,रील्स और त्वरित डोपामिन आधारित कंटेंट मस्तिष्क को तत्काल संतुष्टि का आदी बना देता है।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 98 हजार लोगों पर किए गए 71 अध्ययनों के विश्लेषण में पाया गया कि अत्यधिक शॉर्ट वीडियो देखने से ध्यान क्षमता घटती है, आत्मनियंत्रण कम होता है और तनाव व चिंता बढ़ सकती है। हर कुछ सेकंड में बदलता दृश्य और ध्वनि उत्तेजना मस्तिष्क की प्राकृतिक एकाग्रता प्रणाली को बाधित करती है, जिससे पढ़ाई, शोध, पुस्तक पठन और गहन चिंतन जैसे कार्य कठिन प्रतीत होने लगते हैं। भारत स्मार्टफोन एक्सपोज़र के मामले में 84 देशों में 71वें स्थान पर है, किंतु यह तथ्य भी ध्यान देने योग्य है कि इंटरनेट उपयोग करने वाले 18-34 आयु वर्ग के वैश्विक 41 प्रतिशत युवा गंभीर मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यह संकेत देता है कि समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है; विकसित और विकासशील दोनों प्रकार के देशों के युवा इससे जूझ रहे हैं। उदाहरणस्वरूप, इस अध्ययन में घाना प्रथम स्थान पर रहा, जबकि विश्व हैप्पीनेस इंडेक्स में शीर्ष पर रहने वाला फिनलैंड 18-34 आयु वर्ग में 40वें स्थान पर रहा। इससे स्पष्ट है कि आर्थिक समृद्धि मानसिक स्वास्थ्य की बिलकुल गारंटी नहीं है।

साथियों बात अगर हम रिपोर्ट में खानपान को भी एक महत्वपूर्ण कारक माना गया है इसको समझने की करें तो,18-34 वर्ष के 44 प्रतिशत भारतीय युवा नियमित रूप से अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का सेवन करते हैं,जबकि 55 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में यह आंकड़ा केवल 11 प्रतिशत है। पिछले 15 वर्षों में भारत अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों के लिए विश्व के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में शामिल हुआ है।उच्च शर्करा,सोडियम और कृत्रिम तत्वों से भरपूर भोजन केवल मोटापा, मधुमेह और हृदय रोग ही नहीं बढ़ाते, बल्कि आंत-मस्तिष्क अक्ष को प्रभावित कर मानसिक असंतुलन की संभावना भी बढ़ाते हैं।वैज्ञानिक अध्ययनों में यह पाया गया है कि पोषण और मानसिक स्वास्थ्य के बीच सीधा संबंध है; संतुलित आहार भावनात्मक स्थिरता को बढ़ाता है। पारिवारिक जुड़ाव इस परिदृश्य में सुरक्षा कवच की भूमिका निभाता है। रिपोर्ट के अनुसार 18-34 आयु वर्ग के 64 प्रतिशत युवाओं ने स्वयं को परिवार के निकट बताया,जबकि 55 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में यह आंकड़ा 78 प्रतिशत रहा। पारिवारिक करीबी के मामले में भारत दोनों आयु वर्गों में 28वें स्थान पर है। भारतीय समाज की पारंपरिक संयुक्त परिवार व्यवस्था,आध्यात्मिकता और सामुदायिक संस्कृति अभी भी मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक है, किंतु नगरीकरण, प्रवासन और डिजिटल जीवन शैली के कारण इसमें भीगिरावट देखी जा रही है। जब सामाजिक समर्थन तंत्र कमजोर होता है, तो व्यक्ति का भावनात्मक प्रतिरोधक तंत्र भी कमजोर पड़ता है।

साथियों अब हमें यह समझना आवश्यक है कि डिजिटल प्रौद्योगिकी स्वयं समस्या नहीं है;उसका अनियंत्रित और असंतुलित उपयोग समस्या बनता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा में वैयक्तिकृत शिक्षण, स्वास्थ्य में रोग निदान, कृषि में उत्पादकता वृद्धि और प्रशासन में पारदर्शिता ला सकती है। किंतु यदि हर निर्णय, हर प्रश्न और हरजिज्ञासा का उत्तर केवल एआई से प्राप्त किया जाए, तो मानव मस्तिष्क की विश्लेषणात्मक औरसृजनात्मक क्षमता कुंठित हो सकती है। जब बच्चे और युवा बिना स्वयं विचार किए समाधान खोजने लगते हैं, तो उनका तार्किक कौशल और आत्मविश्वास प्रभावित हो सकता है। तकनीक सहायक बने, विकल्प नहीं,यह सिद्धांत अपनाना आवश्यक है।वैश्विक संदर्भ में देखा जाए तो विकसित देशों के युवा भी मानसिक स्वास्थ्य संकट से जूझ रहे हैं। आर्थिक प्रगति, प्रतिस्पर्धी शिक्षा प्रणाली, नौकरी का दबाव और सामाजिक तुलना ने युवाओं पर अदृश्य मानसिक बोझ डाला है। सोशल मीडिया पर आदर्श जीवनशैली का प्रदर्शन आत्मसम्मान को प्रभावित करता है। निरंतर तुलना की संस्कृति व्यक्ति को यह महसूस कराती है कि वह पर्याप्त नहीं है। इससे आत्ममूल्यांकन नकारात्मक होता है और चिंता बढ़ती है। इस संदर्भ में डिजिटल साक्षरता केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं,बल्कि भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक जागरूकता तक विस्तारित होनी चाहिए।

साथियों बात अगर हम भारत के लिए यह रिपोर्टचेतावनी के साथ अवसर भी प्रस्तुत करती है इसको समझने की करें तो, एक ओर युवा आबादी देश की जनसांख्यिकीय शक्ति है,दूसरी ओर यदि उनकी मानसिक सेहत कमजोर होती है तो उत्पादकता, नवाचार और सामाजिक स्थिरता प्रभावित हो सकती है। नीति-निर्माताओं को स्कूल स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा, डिजिटल उपयोग की समय- सीमा, खेल-कूद और कला गतिविधियों को प्रोत्साहन, तथा पोषण संबंधी जागरूकता अभियानों को प्राथमिकता देनी चाहिए। परिवारों को भी संवाद, साझा समय और डिजिटल डिटॉक्स जैसे उपाय अपनाने होंगे।कानूनी दृष्टि से यह रिपोर्ट कोई औपचारिक सरकारी नीति दस्तावेज नहीं है,बल्कि शोध- आधारित सार्वजनिक रिपोर्ट है। इसकी वैज्ञानिक मान्यता पर विशेषज्ञों के बीच मतभेद हो सकते हैं; कुछ इसे व्यापक और उपयोगी डेटा-संग्रह मानते हैं, तो कुछ इसकी पद्धति पर प्रश्न उठाते हैं। फिर भी, इतने बड़े वैश्विक नमूने पर आधारित निष्कर्षों को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नीति निर्माण में इसे संकेतक के रूप में लिया जा सकता है, न कि अंतिम सत्य के रूप में।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि प्रश्न तकनीक बनाम मानव का नहीं,बल्कि संतुलन का है। डिजिटल युग में रहकर डिजिटल अनुशासन विकसित करना ही समाधान है। यदि युवा वर्ग समय-प्रबंधन,आत्मनियंत्रण, नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और पारिवारिक संवाद को प्राथमिकता दे,तो तकनीक उनके विकास का साधन बन सकती है। समाज, परिवार, शैक्षणिक संस्थान और सरकार सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव बुद्धिमत्ता की पूरक बने, प्रतिस्थापक नहीं। 'अति सर्वत्र वर्जयेत' का शाश्वत संदेश आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। डिजिटल क्रांति मानव सभ्यता की उपलब्धि है, किंतु मानसिक संतुलन और मानवीय संबंध ही उसके स्थायी आधार हैं।

हर्षोल्लास, उमंग और रंगों का पर्व है होली

फागुन आते ही चहुं ओर 'होली' के रंग दिखाई देने लगते हैं, जगह-जगह 'होली' मिलन समारोहों का आयोजन होने लगता है। 'होली' हर्षोल्लास, उमंग और रंगों का पर्व है, यह पर्व फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है, इससे एक दिन पूर्व 'होलिका' जलाई जाती है, जिसे 'होलिका' दहन भी कहा जाता है। दूसरे दिन रंग खेला जाता है, जिसे धुलेंडी, धुरखेल तथा धूलिवंदन कहा जाता है। लोग एक-दूसरे को रंग, अबीर-गुलाल लगाते हैं। रंग में भरे लोगों की टोलियां नाचती-गाती गांव-शहर में घूमती रहती हैं। ढोल बजाते और 'होली' के गीत गाते लोग मार्ग में आते-जाते लोगों को रंग लगाते हुए 'होली' को हर्षोल्लास से खेलते हैं, विदेशी लोग भी होली खेलते हैं, सांध्य काल में लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं और मिष्ठान बांटते हैं।

संजय गोस्वामी

पुरातन धार्मिक पुस्तकों में 'होली' का वर्णन अनेक मिलता है। नारद पुराण और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख है। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ स्थान पर स्थित ईसा से तीन सौ वर्ष पुराने एक अभिलेख में भी 'होली' का उल्लेख किया गया है। 'होली' के पर्व को लेकर अनेक कथाएं प्रचलित हैं, सबसे प्रसिद्ध कथा विष्णु भक्त प्रह्लाद की है। माना जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकश्यप नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था, वह स्वयं को भगवान मानने लगा था, उसने अपने राज्य में भगवान का नाम लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जो कोई भगवान का नाम लेता, उसे दंडित किया जाता था। हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का भक्त था। प्रह्लाद की प्रभु भक्ति से क्रुद्ध होकर हिरण्यकश्यप ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परंतु उसने भक्ति के मार्ग का त्याग नहीं किया। हिरण्यकश्यप की बहन 'होलिका' को वरदान प्राप्त था कि वह अग्नि में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकश्यप ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि कुंड में बैठे। अग्नि कुंड में बैठने पर 'होलिका' तो जल गई, परंतु प्रह्लाद बच गया।

भक्त प्रह्लाद की स्मृति में इस दिन 'होलिका' जलाई जाती है, इसके अतिरिक्त यह पर्व राक्षसी ढुंढी, राधा कृष्ण के रास और कामदेव के पुनर्जन्म से भी संबंधित है। कुछ लोगों का मानना है कि होली में रंग लगाकर, नाच-गाकर लोग शिव के गणों का वेश धारण करते हैं तथा शिव की बारात का दृश्य बनाते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन पूतना नामक राक्षसी का वध किया था, इससे प्रसन्न होकर गोपियों और ग्वालों ने रंग खेला था। देश में होली का पर्व विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। ब्रज की होली मुख्य आकर्षण का केंद्र है। बरसाने की लठमार होली भी प्रसिद्ध है, इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएं उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। मथुरा का प्रसिद्ध 40 दिवसीय होली उत्सव वसंत पंचमी से ही प्रारंभ हो जाता है, श्री राधा रानी को गुलाल अर्पित कर होली उत्सव शुरू करने की अनुमति मांगी जाती है, इसी के साथ ही पूरे ब्रज पर फाग का रंग छाने लगता है। वृंदावन के शाहजी मंदिर में प्रसिद्ध वसंती कमरे में श्रीजी के दर्शन किए जाते हैं, यह कमरा वर्ष में केवल दो दिन के लिए खुलता है। मथुरा के अलावा बरसाना, नंदगांव, वृंदावन आदि सभी मंदिरों में भगवान और भक्त पीले रंग में रंग जाते हैं। ब्रह्मर्षि दुर्वासा की पूजा की जाती है। हिमाचल प्रदेश के कुलू में भी वसंत पंचमी से ही लोग 'होली' खेलना प्रारंभ कर देते हैं। कुलू के रघुनाथपुर मंदिर में सबसे पहले वसंत पंचमी के दिन भगवान रघुनाथ पर गुलाल चढ़ाया जाता है, फिर भक्तों की 'होली' शुरू हो जाती है। लोगों का मानना है कि रामायण काल में हनुमान ने इसी स्थान पर भरत से भेंट की थी। कुमाऊं में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। बिहार का फगुआ प्रसिद्ध है। हरियाणा की 'धुलंडी' में भाभी पल्लू में ईंटें बांधकर देवरों को मारती हैं। पश्चिम बंगाल में 'दोल जात्रा' निकाली जाती है, यह पर्व चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। शोभायात्रा निकाली जाती है। महाराष्ट्र की 'रंग पंचमी' में सूखा गुलाल खेला जाता है। गोवा के 'शिमगो' में शोभा यात्रा निकलती है और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्ख 'शक्ति प्रदर्शन' करते हैं। तमिलनाडु की 'कमन पोडिगई' मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंत का उत्सव है। मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोपड़ी का नाम है, जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासी भी धूमधाम से 'होली' मनाते हैं। छत्तीसगढ़ में लोक गीतों के साथ 'होली' मनाई जाती है। मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी 'भगोरिया' मनाते हैं। भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में भी 'होली' मनाई जाती है।'होली' सदैव ही साहित्यकारों का प्रिय पर्व रहा है, प्राचीन काल के संस्कृत साहित्य में 'होली' का उल्लेख मिलता है, श्रीमद्भागवत महापुराण में रास का वर्णन है, अन्य रचनाओं में 'रंग नामक उत्सव का वर्णन है, इनमें हर्ष की प्रियदशि×का एवं रत्नावली और कालिदास की कुमारसंभवम् तथा मालविकाग्निमित्रम् सम्मिलित हैं। भारवि एवं माघ सहित अन्य कई संस्कृत कवियों ने अपनी रचनाओं में वसंत एवं रंगों का वर्णन किया है, चंद बरदाई द्वारा रचित हिंदी के पहले महाकाव्य पृथ्वीराज रासो में होली का उल्लेख है, भक्तिकाल तथा रीतिकाल के हिन्दी साहित्य में 'होली' का विशिष्ट उल्लेख मिलता है। आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर भक्तिकालीन सूरदास, रहीम, रसखान, पद्माकर, जायसी, मीराबाई, कबीर और रीतिकालीन बिहारी, केशव, घनानंद आदि कवियों ने होली को विशेष महत्व दिया है। प्रसिद्ध कृष्ण भक्त महाकवि सूरदास ने वसंत एवं 'होली' पर अनेक पद रचे हैं। भारतीय सिनेमा ने भी होली को मनोहारी रूप में पेश किया है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पुलिस आधुनिक उपकरण से लैस होकर सड़कों पर करेगी चेकिंग

बॉडी वार्न, कैमरे शोल्डर ब्लिंकर से लैस पुलिस जवान करेंगे चेकिंग नहीं लगेंगे अभद्रता के आरोप

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। पुलिस आधुनिक उपकरण से लैस होकर सड़कों पर चेकिंग करेगी पारदर्शिता से चेकिंग करने के लिए पुलिस जवान व अफसर बॉडी वार्न कैमरा, शोल्डर ब्लिंकर लाइट से लैस होंगे जिससे सड़क पर पुलिस पर लगने वाले अभद्रता के आरोपों की सच्चाई सामने आ सके जब भी पुलिस बड़ा एक्शन लेती है तो सबसे पहले पुलिस जवान व अफसरों पर उंगली उठाई जाती है लेकिन अब सड़क सुरक्षा निधि से आधुनिक उपकरण खरीदकर पुलिस अपडेट हो गई है अभी तक बॉडी वार्न कैमरा व शोल्डर ब्लिंकर लाइट से लैस भोपाल व इंदौर की पुलिस ही थी। नए उपकरण के साथ ट्रैफिक पुलिस के जवान व अफसर।

नए उपकरण के साथ ट्रैफिक पुलिस के जवान व अफसर: पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा सड़क सुरक्षा निधि के अंतर्गत ग्वालियर जिले को दिए गए बजट से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह के निर्देश पर अति पुलिस अधीक्षक यातायात अनु बेनीवाल के मार्गदर्शन में ट्रैफिक पुलिस को अपडेट करने और आधुनिक उपकरण से लैस करने के लिए कई उपकरण मंगाए गए हैं सड़क सुरक्षा निधि के तहत खरीदे गए उपकरणों का अवलोकन एवं वितरण शाम पुलिस कंट्रोल रूम परिसर में किया गया इस मौके पर एसएसपी , एएसपी ट्रैफिक, एएसपी देहात जयराज कुबेर, डीएसपी यातायात अजीत सिंह चौहान, यातायात थाना प्रभारी कम्पू निरीक्षक डॉ केपीएस तोमर, यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक धनंजय शर्मा, यातायात थाना प्रभारी गोला का मंदिर सूबेदार अभिषेक रघुवंशी तथा यातायात के अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

चंद्रग्रहण से टली होली, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में देर रात तक चला दहन बुधवार को मनेगी होली

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में होलिका दहन किया गया यह सिलसिला देर रात करीब 12 बजे तक चला लोगों ने पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की कई स्थानों पर युवाओं ने डीजे की धुन पर नृत्य किया और रंग-गुलाल उड़ाकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं शहर में सौ से अधिक जगहों पर होलिका दहन हुआ पुलिस प्रशासन ने पूरे आयोजन के दौरान सतर्कता बरती और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ इस बार मंगलवार को रंगों की होली नहीं खेली गई 3 मार्च को सुबह 6:20 बजे से चंद्रग्रहण का सूतक काल प्रारंभ हो गया था धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सूतक काल में शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं चंद्रग्रहण समाप्त होने बाद खेला जाएंगा रंग इसी कारण रंग-गुलाल से होली खेलने का कार्यक्रम एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया अब बुधवार, 4 मार्च को चंद्रग्रहण समाप्त होने के बाद रंगों की होली धूमधाम से मनाई जाएगी। इसके बाद 5 मार्च को दूज पर्व मनाया जाएगा जिसमें बहनें भाइयों को तिलक कर उनके मंगल की कामना करेंगी प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे रंगों की होली शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाएं। साथ ही प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दें।

राजधानी-एक्सप्रेस की पेंट्रीकार में बैन के बावजूद बन रहा खाना अफसरों की मौजूदगी में लापरवाही, रेलवे ने क्षेत्रीय प्रबंधक से मांगा जवाब

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। एक्सप्रेस की पेंट्रीकार में भोजन पकाने को लेकर सोमवार को रेलवे के अफसर प्लेटफार्म पर जांच कर रहे थे। इसी दौरान प्लेटफार्म नंबर एक पर दिल्ली जाने के लिए रवाना होने वाली राजधानी एक्सप्रेस खड़ी थी जिसके पेंट्रीकार के अफसरों की मौजूदगी में स्टाफ भोजन बना रहे थे रेलवे के अधिकारियों ने इस मामले में IRCTC के क्षेत्रीय प्रबंधक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है बता दें कि रेलवे ने सुरक्षा के मद्देनजर एक्सप्रेस ट्रेनों के पेंट्रीकार में भोजन बनाने पर प्रतिबंध लगाया है इसके बाद भी कर्मचारी नियमों को दर किनार कर पेंट्रीकार में खाना बनाते हैं दरअसल, एक्सप्रेस ट्रेनों की पेंट्रीकार में भोजन बनाना बैन कर दिया गया है। दो-तीन ट्रेनों में गैस सिलेंडर की वजह से आगजनी की घटनाएं हो चुकी है। जिसके कारण रेलवे बोर्ड ने सख्ती के साथ पेंट्रीकार में खाना

बनाने पर रोक लगा दिया ह नियम के अनुसार पेंट्रीकार में केवल भोजन और नाश्ता आदि बेस किचन से ही चढ़ाने का प्रावधान है। दोपहर 1.15 बजे रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर बिलासपुर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की रैक आकर लगी एक दिन पहले ही एक्सप्रेस की पेंट्रीकार में भोजन पकाते मिला था रेलवे अफसर इसकी जांच कराने का दावा करते रहे। लिहाजा कुछ मीडियाकर्मी राजधानी एक्सप्रेस की पेंट्रीकार में पहुंचे तब वहां पर भी पेंट्रीकार में भोजन पक रहा था इस दौरान तीन हीटर पर भगौना चढ़ा था जिसमें चावल-दाल पक रहा था एक में पानी उबल रहा था आलू उबालकर रखा गया था कच्चा आलू और बैगन काटकर रखा हुआ था पैकेट में बंद रोटी और साथ ही पैकेट में भी कुछ रखा हुआ था। वहां पर मौजूद पेंट्रीकार के कर्मचारियों के अलावा एक सुपरवाइजर या मैनेजर भी था इस बीच सीसीआई मनोज साहा और स्टेशन मास्टर ओझा मौके पर पहुंचे उन्होंने पेंट्रीकार की जांच की तो वहां कर्मचारी खाना पकाते मिला। इसके बाद उन्होंने पेंट्रीकार के मैनेजर से पूछताछ की तो बताया कि व्यक्ति दिल्ली का अधिकारी है जो पेंट्रीकार के साथ चलता है कर्मचारियों ने बताया कि स्टाफ के लिए भोजन बनाया जा रहा है। एक्सप्रेस की पेंट्रीकार में भोजन पकाने के मामले से रेलवे प्रशासन की ओर से एक क्षेत्रीय प्रबंधक को पत्र लिखकर अवगत कराया गया है पत्र में यह कहा गया कि इस मामले की जांच करें और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करें साथ ही इस मामले का जवाब रेलवे को दें वहीं राजधानी एक्सप्रेस में सोमवार को रेलवे स्टेशन में भोजन पकाने की शिकायत रेलवे अफसरों से की गई है साथ ही IRCTC को पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

जमीन पर कब्जा करने किया फर्जीवाड़ा, एफआइआर, जमीन नहीं बेची तो पड़ोसी ने फर्जी ई-स्टाम्प निकालकर तैयार कराया विक्रय पत्र

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। पुरानी छावनी थाना क्षेत्र स्थित जिगसोली गांव में करोड़ों रुपए की पुश्तैनी जमीन हड़पने के लिए पड़ोसियों द्वारा फर्जीवाड़ा किए जाने का मामला सामने आया है आरोपियों ने फर्जी ई-स्टांप जनरेट कर जाली विक्रय पत्र तैयार किया और जमीन मालिक के खाते में आरटीजीएस के जरिए पांच लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए इसके बाद गांव में यह अफवाह फैला दी कि जमीन का सौदा हो चुका है जब पड़ोसी ने जमीन मालिक के व्हाट्सएप पर विक्रय पत्र भेजा तब उसे पूरे मामले की जानकारी हुई गांव में बताएंगे कि जमीन खरीद ली है।

जांच में सामने आया कि जमीन मालिक के आधार कार्ड और मोबाइल नंबर का उपयोग कर बिना ओटीपी के 1000 रुपए का ई-स्टाम्प निकाला गया था यह घटना 2 सितंबर 2025 की है धोखाधड़ी का खुलासा होने के

बाद पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई जिस पर पुलिस ने जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया बहोड़ापुर क्षेत्र के विनय नगर उरवाई गेट निवासी शशांक सिंह राजपूत की जिगसोली गांव में 0.738 हेक्टेयर पुश्तैनी जमीन है जिस पर उनका वैध स्वामित्व है इसी जमीन से लगी हुई जमीन नरेश सिंह, प्रमोद यादव और अभिराज सिंह उर्फ रवि की पारिवारिक संपत्ति है बीते छह महीनों से ये तीनों शशांक पर जमीन बेचने का दबाव बना रहे थे इनकार करने पर उन्होंने धमकी दी कि वे जमीन पर कब्जा कर लेंगे और गांव में यह प्रचार करेंगे कि जमीन उन्होंने खरीद ली है ताकि जमीन विवादित हो जाए और कोई खरीदार न मिले इसके बावजूद शशांक ने जमीन बेचने से इनकार कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने 2 सितंबर 2025 को शशांक के व्हाट्सएप पर एक पीडीएफ फाइल भेजी फाइल खोलने पर पता चला कि 1000 रुपए के ई-स्टांप पर जमीन का विक्रय पत्र तैयार किया गया है जिसमें पांच लाख रुपए में सौदा दर्शाया गया था साथ ही आरोपियों ने शशांक के बंधन बैंक खाते में पांच लाख रुपए आरटीजीएस कर दिए थे यह देखकर जमीन मालिक घबरा गया जांच करने पर ई-स्टाम्प और नोटरी अधिवक्ता से जानकारी मिली कि यह ई-स्टांप नरेश सिंह द्वारा शशांक के आधार कार्ड और मोबाइल नंबर का उपयोग कर बिना ओटीपी के निकाला गया था जो पूरी तरह फर्जी है इसके बाद शशांक ने बैंक जाकर आरटीजीएस की गई राशि वापस कराने की कोशिश की लेकिन बैंक ने एफआईआर की कॉपी मांगी इसके बाद उन्होंने पुरानी छावनी थाने में शिकायत दर्ज कराई जांच के आधार पर आगे कार्रवाई करेंगे पुलिस जांच के बाद मामला दर्ज किया गया है। पुरानी छावनी थाना प्रभारी संतोष यादव ने बताया कि धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बॉर्डर पर रेत विवाद युवक की मौत,इलाके में तनाव, पीड़ित पक्ष ने की निष्पक्ष जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ सीमा पर बरने नदी में रेत उत्खनन को लेकर हुए विवाद में ट्रैक्टर ड्राइवर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई यह घटना ग्राम पसौरी निवासी सोनू चक्रधारी के साथ हुई जिसके बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है और ग्रामीण निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं जानकारी के अनुसार सोनू चक्रधारी प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण के लिए रेत की ढुलाई कर रहा था इसी दौरान जिला शहडोल के थाना जैतपुर अंतर्गत दर्शिला चौकी क्षेत्र के दो पुलिसकर्मियों और एक अन्य व्यक्ति पर युवक के साथ कथित मारपीट का आरोप है परिजनों का आरोप है कि मारपीट के बाद सोनू की तबीयत बिगड़ गई इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई सोनू एमसीबी जिले के केल्हारी थाना क्षेत्र का निवासी था घटना की सूचना मिलते ही केल्हारी पुलिस मौके पर पहुंची शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया जहां पंचनामा कार्रवाई के बाद आगे की प्रक्रिया की गई। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान मध्य प्रदेश पुलिस की एक बोलेरो वाहन बरने नदी में फंस गई थी जिसे बाद में पुलिस की ओर से थाने ले जाया गया। ग्रामीणों ने एमपी पुलिस के साथ आए एक व्यक्ति को पकड़ लिया जिससे स्थिति कुछ समय के लिए तनावपूर्ण हो गई क्षेत्र में घटना को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की पूर्व विधायक गुलाब कमरो और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष रामनरेश पटेल ने घटना पर दुख व्यक्त किया है उन्होंने निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग करते हुए घटनास्थल का जायजा लिया।

दोहरी रेल लाइन भूमि अधिग्रहण कम मुआवजे का विरोध एमसीबी के 9 गांवों के किसानों ने अपर कलेक्टर,एसडीएम को आवेदन दिया

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले में बौरीडांड़ रेलवे जंक्शन से सुरजपुर तक नई दोहरी रेल लाइन परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण को लेकर किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया किसानों का आरोप है कि उनकी सिंचित द्वि-फसली कृषि भूमि को गैर-सिंचित बताकर कम मुआवजा दिया जा रहा है इस मामले में 9 गांवों के किसानों ने अपर कलेक्टर और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा यह विरोध प्रदर्शन ग्राम शंकरगढ़, बेलबहार,

ऊदलकछार, सरोला, लाई, सेमरा, दर्री टोला, बरबसपुर और उजियारपुर के किसानों ने किया इस दौरान पूर्व विधायक गुलाब कमरो और जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू भी किसानों के साथ मौजूद रहे किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने अपर कलेक्टर अनिल सिदार और एसडीएम लिंगराज सिदार से मुलाकात की। किसानों ने अधिकारियों को बताया कि अधिग्रहित की जा रही उनकी भूमि सिंचित और द्वि-फसली है जिससे उनकी आजीविका सीधे तौर पर जुड़ी हुई है उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन उनकी भूमि को असिंचित बताकर अधिग्रहण कर रहा है, जिससे उन्हें बाजार दर से काफी कम मुआवजा मिल रहा है और भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। किसानों की मुख्य मांगों में अधिग्रहित भूमि का पुनर्मूल्यांकन कराना, मुआवजे की राशि को बाजार दर के अनुरूप बढ़ाना और उचित मुआवजा निर्धारित होने तक अधिग्रहण प्रक्रिया पर रोक लगाना शामिल है।

वन विभाग की प्लांटेशन एरिया में दोबारा अतिक्रमण की कोशिश, वन और पुलिस ने हटाया था कब्जा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। बानापुरा रेंज की झाड़बीड़ा बीट में प्लांटेशन की जमीन पर अब दोबारा कब्जा करने की तैयारी है उक्त जमीन पर अतिक्रमण करने के लिए टपरिया बनाई जा रही है 5 दिन पहले ही 27 फरवरी को राजस्व और पुलिस के साथ मिलकर फॉरेस्ट के अमले ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाया जिसमें करीब 230 अधिकारी और कर्मचारी थे जेसीबी से उक्त जमीन पर गड्ढे भी किए ताकि अतिक्रमण न कर सकें बावजूद अब फिर से प्लांटेशन की जमीन तीन से चार टपरिया बन गई है यह टपरिया किसने बनाई उनके नाम सामने नहीं आ पाएं है टपरिया बनने की जानकारी से रेंजर ज्ञान सिंह पवार अनजान है उनका कहना है कि टपरिया की जानकारी मुझे नहीं है डीएफओ गौरव शर्मा ने कहा टपरिया अगर बनाई गई है तो उसे वहां से हटाया जाएग

20हजार उखाड़ किया था 20 हेक्टेयर में कब्जा: बानापुरा रेंज के झाड़बीड़ा बीट के कंपार्टमेंट नंबर 159 में राजलढ़ाना और पतलई गांव के करीब 100 लोगों ने 20 हेक्टेयर में अवैध कब्जा कर लिया था जिन्होंने 2019 में प्लांटेशन किए 20 हजार पौधों को उखाड़कर नष्ट किया। वन विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाया था वन विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाया था।

तीन साल से यह अतिक्रमण का सिलसिला जारी था। 27 फरवरी को वन विभाग के एसडीओ अनिल विश्वकर्मा, तहसीलदार कीर्ति प्रधान, एसडीओपी महेंद्र चौहान, थाना प्रभारी सुधाकर बारस्कर संयुक्त रूप से कार्रवाई करने पहुंचे करीब 230 वनकर्मी, पुलिस और राजस्व अधिकारी कर्मचारियों ने कब्जा हटाया था कार्रवाई के दौरान वहां बनाई गई अस्थायी टपरियां हटाई गईं और बड़े गड्ढे खोदे गए ताकि दोबारा खेती नहीं की जा सके बावजूद अब फिर से वहां टपरिया बनाई जा गई है।

खनियांधाना में 3.75 करोड़ की सरकारी जमीन मुक्त,125 बीघा फसल पर चला बुलडोजर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। खनियांधाना तहसील के ग्राम हिम्मतपुर में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की करीब 125 बीघा सरकारी जमीन पर खड़ी फसल को 4 जेसीबी मशीनों से हटाकर 3.75 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया इस दौरान भारी पुलिस बल और राजस्व अमला मौजूद रहा जानकारी के अनुसार ग्राम हिम्मतपुर में लगभग 125 बीघा शासकीय भूमि पर 17 से 18 लोगों ने अवैध कब्जा कर खेती की थी शासन के निर्देशों पर तहसील प्रशासन ने सीमांकन प्रक्रिया पूरी करने के बाद बेदखली की कार्रवाई शुरू की कार्रवाई के दौरान मौके पर लगभग 70 से 80 अधिकारी-कर्मचारी और भारी पुलिस बल तैनात रहा 4 जेसीबी मशीनों का उपयोग कर खड़ी फसल को हटाया गया इस दौरान गांव का माहौल पूरी तरह छावनी में बदल गया था जैसे ही मशीनें खेतों में उतरीं, कुछ ग्रामीण और किसान भावुक हो उठे उन्होंने अधिकारियों से फसल कटने तक का समय मांगा लेकिन प्रशासन ने नियमानुसार कार्रवाई जारी रखी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए खनियांधाना थाना प्रभारी केदार सिंह यादव पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे खनियांधाना तहसीलदार निशिकांत जैन ने बताया कि ग्राम हिम्मतपुर में लगभग 125 बीघा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर फसल बोई गई थी शासन के निर्देशानुसार सीमांकन के बाद अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई की गई है उन्होंने पुष्टि की कि करीब 3 करोड़ 75 लाख रुपए मूल्य की भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया है।

चंद्र ग्रहण के कारण मंदिर बंद,सूतक काल जारी शाम को शुद्धिकरण के बाद खुलेंगे पट

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। 2026 का पहला खग्रास चंद्र ग्रहण आज होने की वजह से प्रमुख मंदिरों के पट सुबह से बंद कर दिए गए सुबह 6:20 बजे सूतक काल शुरू होते ही देवदर्शन वर्जित कर दिए गए पट शाम 6:46 बजे ग्रहण समाप्ति और शुद्धिकरण के बाद खोले जाएंगे लगभग 12 घंटे तक श्रद्धालु दर्शन नहीं कर सकेंगे राम मंदिर फालका बाजार, अचलेश्वर मंदिर, लक्ष्मीनारायण मंदिर, सनातन धर्म मंदिर, गुरुद्वारा महादेव और संकट मोचन हनुमान मंदिर सहित कई मंदिरों में सुबह की आरती के बाद पट बंद कर दिए गए शाम को ग्रहण समाप्त होने पर गंगाजल से शुद्धिकरण किया जाएगा इसके बाद विधि-विधान से आरती होगी

सूतक में पूजा, स्पर्श और भोग वर्जित: ज्योतिषाचार्यों के अनुसार सूतक काल में पूजा-अर्चना, मूर्तियों का स्पर्श और भोग लगाना वर्जित माना जाता है इसी कारण दिनभर मंदिरों में नियमित धार्मिक क्रियाएं स्थगित रहेंगी सिंह राशि और पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में ग्रहण ज्योतिषाचार्यों ने बताया कि यह खग्रास चंद्र ग्रहण सिंह राशि और पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में दिखाई देगा अंचल में ग्रहण का दृश्य प्रभाव करीब 28 मिनट तक रहने का अनुमान है गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और रोगियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। उन्हें घर में रहने और नुकीली वस्तुओं का उपयोग न करने को कहा गया है।

ग्रहण के बाद स्नान और दान का महत्व: धार्मिक मान्यता के अनुसार ग्रहण के दौरान भोजन पकाना और खाना वर्जित रहता है पहले से बने भोजन में तुलसी पत्र डालकर सुरक्षित रखने की परंपरा है। ग्रहण समाप्ति के बाद स्नान, दान और जप-तप का विशेष महत्व बताया गया है।

पृथ्वी की छाया से होता है चंद्र ग्रहण: वैज्ञानिक दृष्टि से चंद्र ग्रहण तब होता है जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है खग्रास स्थिति में चंद्रमा पूरी तरह पृथ्वी की छाया में आ जाता हैं जिससे वह लालिमा लिए दिखाई देता है।

रतलाम में नाबालिगों का उपयोग कर चोरी कराने वाला पकड़ाया

झाबुआ का रहने वाला है मास्टरमाइंड; 9 गाड़िया मिलीं, जंगल में छुपा रखी थीं

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम पुलिस ने बाइक चोरों को पकड़ा है। मास्टरमाइंड झाबुआ जिले का रहने वाला है। बाइक चोरी में नाबालिगों का उपयोग कर बाइक चुराता था। पुलिस ने आरोपियों के पास से 9 बाइक जब्त की है। जिनमें दो रतलाम जिले से बाहर की है।

एएसपी विवेक कुमार लाल, सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया ने सोमवार शाम चोरी के आरोपियों का खुलासा किया। एएसपी ने बताया पिछले कई दिनों से शहर में बाइक चोरी की घटनाएं हो रही थी। चोरों को पकड़ने के लिए टीम बनाई है। मुखबिर तंत्र सक्रिय किए।

घटना स्थलों से लेकर शहर के सीसीटीवी पर नजर रखी गई। शहर के थाने व सायबर सेल की संयुक्त टीम बनाई गई। संदिग्ध वाहनों की चेकिंग का अभियान भी चलाया। चेकिंग के दौरान पुलिस को रानीसिंह क्षेत्र में चार संदिग्ध

को पकड़ा।

बाइक के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए। संदेह होने पर गहन पूछताछ की गई, जिसमें आरोपियों ने अलग-अलग स्थानों से बाइक चोरी करना स्वीकार किया। इस दौरान ट्रेनी आईपीएस वैभव प्रिय, माणकचौक थाना प्रभारी पातीराम डाबरे, डीडी नगर थाना प्रभारी अनुराग यादव, स्टेशन रोड थाने के सब इंस्पेक्टर विजय बामनिया मौजूद रहे।जंगल में छिपाकर रखी थी बाइक एएसपी के अनुसार बाइक चोरी कर जंगलों में यह छिपा देते थे। बाइक चोरी की घटना को अंजाम देने के लिए भी अलग-अलग यह आते थे। चोरी में इन्होंने चोरी की बाइक को भी इस्तेमाल किया है।

पुलिस ने आरोपी विकास (25) पिता लालु मचार निवासी ग्राम नवापाड़ा थाना थांदला जिला झाबुआ व 3 अन्य नाबालिग को गिरफ्तार किया है। नाबालिग आरोपी थाना बोरी जिला आलीराजपुर व बाग टांडा जिला धार के रहने वाले है। मुख्य आरोपी विकास बाइक चोरी में नाबालिगों को अपने साथ रखता था।

यहां से चोरी हुई थी बाइक : माणक चौक थाना क्षेत्र से 6 फरवरी को संत नगर क्षेत्र से फरियादी अशोक राठौर की बाइक क्रमांक एमपी 43 डीवाय 1043, 26 फरवरी को संत नगर क्षेत्र से शैलेंद्रसिंह डोडिया की बाइक क्रमांक एमपी 43 एमबी 7277 चोरी हुई। 17 फरवरी को ईदगाह रोड क्षेत्र से प्रतिक बारिया की बाइक क्रमांक एमपी 43 डीडब्ल्यू 7296 चोरी हुई।

इसके अलावा स्टेशन रोड थाना क्षेत्र से शेरु पिता भूरु शाह राजीव नगर की एमपी 43 जेडएच 2052, थाना डीडी नगर क्षेत्र से पूनमराम गरवाल निवासी लालगुवाड़ी की बाइक एमपी 43 ईएल 2315, एंमपी 43 ईसी 8154, एमपी 43 ईई 4772 को बरामद किया।

इसके अलावा देवास से चोरी बाइक क्रमांक एमपी 09 एक्सजेड 7952 एवं एमपी 42 एमएन 3781 को भी बरामद किया। पुलिस ने उक्त सभी बाइक को बरामद कर लिया है।

खंडवा में वन समिति अध्यक्ष की हत्या में उम्रकैद

कोर्ट ने सुनाया फैसला; काम नहीं देने के विवाद में गोली मारकर की थी हत्या

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा के ग्राम जिल्हार में वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या करने वाले को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश अनिल चौधरी ने आरोपी सुरसिंग पिता कन्हैया भुरिया (48) को उम्रकैद के साथ 10 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया हैं। बता दें कि, काम ना देने की बात को लेकर आरोपी ने वन समिति अध्यक्ष धनसिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक ने इंदौर में इलाज के दौरान दम तोड़ा था। इधर, कोर्ट में अभियोजन की ओर से पैरवी एडीपीओ विनोद कुमार पटेल ने की। अभियोजन मीडिया सेल के अनुसार, 18 जून 2024 की शाम करीब 7.30 बजे फरियादी निर्मल अपने रिश्तेदार धनसिंग और शंकर के साथ ग्राम जिल्हार में धनसिंग की दुकान के बाहर बैठे थे। रात करीब 8 बजे धनसिंग सड़क पार चिरूर के पेड़ के पास बाथरूम करने गया। इसी दौरान गोली चलने की आवाज आई और धनसिंग ने आवाज लगाई कि सुरसिंग ने उसे गोली मार दी है।निर्मल मौके पर पहुंचा तो देखा कि आरोपी हाथ में बंदूक लेकर नाले की ओर से जंगल की तरफ भाग रहा था। रोशनी होने से आरोपी साफ दिखाई दे रहा था। धनसिंग के पेट में गोली लगी थी और गंभीर रक्तस्राव हो रहा था। उसे तत्काल सरकारी अस्पताल सनावद ले जाया गया, जहां से इंदौर रेफर किया गया। उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

काम पर नहीं लगाने से था विवाद : मृतक धनसिंग वन विभाग की वन सुरक्षा समिति का अध्यक्ष था और मजदूरों को काम पर लगाता था। बताया गया कि आरोपी को काम पर नहीं लगाए जाने और पैसों के विवाद के चलते उसने जान से मारने की नीयत से गोली चलाई।

रतलाम में चलते लोडिंग ऑटो में लगी आग

उठीं ऊंची लपटें, सड़क पर थमा ट्रैफिक, इंदौर से सैलाना जा रहा था

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के सैलाना-धामनोद बायपास पर सोमवार दोपहर एक लोडिंग सीएनजी तीन पहिया वाहन में आग लग गई। आग में लोडिंग आटो रिक्शा जलकर खाक हो गया। फायर फाइटर से आग पर काबू पाया गया। लोडिंग आटो रिक्शा चालक कपिल साहू के अनुसार वह अपने एक साथी के साथ सीएनजी लोडिंग ऑटो में इंदौर से म्यूजिक सिस्टम आदि सामान लेकर रतलाम सैलाना जा रहा था। दोपहर करीब 1 बजे वह धामनोद बायपास पर पहुंचा था कि अचानक ऑटो में आग लग गई। आग लगते ही ऑटो चालक कपिल व उसका साथी ऑटो से निकलकर दूर चले गए। देखते ही देखते ऑटो से आग की ऊंची लपटे निकलने लगी।वाहनों की लगी कतार आग के कारण सड़क पर दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गई। सूचना मिलने पर सुचना धामनोद नगर परिषद से फायर लॉरी पहुंची। तब तक वाहन जल कर राख हो गया। आगजनी की इस घटना में किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई। ऑटो में सारा सामान सैलाना के 4-5 सरकारी स्कूलों में पंहुचाना था।

जंगल में मिला लापता बुजुर्ग का सिर कटा शव

खेत की टपरी में खून के निशान थे, वहां से 3 किलोमीटर दूर छिपाई डेथबॉडी

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के खालवा थाना क्षेत्र के गदडियाखेड़ा (वनग्राम) में 62 साल के बुजुर्ग का सिर कटा शव मिला हैं। बुजुर्ग दो दिन पहले खेत से लापता हो गया था। खेत की टपरी पर खून के निशान मिले थे, वहां से 3 किलोमीटर दूर जंगल में शव मिला हैं। शव को पत्तों के नीचे छिपाकर रखा था। उसका सिर धड़ से गायब है। हत्या का केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी हैं। मृतक की पहचान गदडियाखेड़ा निवासी आदिवासी झबरसिंग पिता मलकू (62) के रूप में हुई हैं। जो कि शनिवार रात से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता था। रविवार को बेटा झामसिंग जब खेत पर खाना लेकर पहुंचा तो पिता वहां नहीं मिले। टपरी में खून पड़ा हुआ था और किसी को घसीटकर ले जाने के निशान दिखाई दिए। इसके बाद परिजनों ने खालवा थाना पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई।

डॉग स्क्वॉड की मदद से मिला शव : रविवार सुबह थाना प्रभारी जगदीश सिंदिया पुलिस बल और डॉग स्क्वॉड के साथ जंगल पहुंचे। वन विभाग द्वारा की गई सर्चिंग से करीब एक किलोमीटर आगे घने जंगल में पत्तों के नीचे छिपाकर रखा झबरसिंग का धड़ बरामद हुआ। शव का सिर गायब था।

दमोह में कार की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

पीजी कॉलेज के सामने स्कूली छात्र ने मारी टक्कर, मौके से फरार

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह के कोतवाली थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह पीजी कॉलेज के पास एक तेज रफ्तार कार ने 62 वर्षीय बुजुर्ग अभय कुमार खरे को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के भतीजे जय कुमार खरे ने बताया कि उनके चाचा पीजी कॉलेज के पीछे ही रहते थे और अपनी दुकान के लिए कुछ जरूरी सामान लेने घर से बाहर निकले थे। जैसे ही वह सड़क पर डिवाइडर के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही एक अनियंत्रित कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिन्होंने तुरंत परिवार को इसकी सूचना दी। छात्र पर टक्कर मारकर भागने का आरोपपरिजन के अनुसार, कार को कोई स्कूली छात्र चला रहा था, जो हादसे के फौरन बाद मौके से वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस अब उस छात्र और वाहन की तलाश में जुट गई है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार की रफ्तार काफी तेज थी, जिसके कारण चालक उस पर नियंत्रण नहीं रख पाया।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच : घटना की खबर मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पंचनामा तैयार किया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और गवाहों के आधार पर आरोपी छात्र की पहचान की कोशिश की जा रही है। जल्द ही वाहन को जब्त कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विदिशा में 23 करोड़ की सबसे बड़ी साइबर ठगी

फर्जी कंपनी बनाकर 7 महीने में किए 1.5 लाख ट्रांजेक्शन; 2 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में अब तक का सबसे बड़ा साइबर ठगी का मामला सामने आया है। तीन जालसाजों ने एक फर्जी कंपनी बनाकर महज सात महीने के भीतर 23 करोड़ 20 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी को अंजाम दिया है। आरोपियों ने एसबीआई की शाखा में एक चालू खाता (म्यूल अकाउंट) खुलवाकर देश भर में 1.5 लाख से अधिक ट्रांजेक्शन किए। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि मुख्य सरगना की तलाश जारी है।

इस करोड़ों की ठगी का खुलासा तब हुआ जब बिहार के पटना स्थित एसबीआई ब्रांच ने इस खाते की शिकायत की। इसके बाद 24 से अधिक राज्यों से लगातार शिकायतें मिलने पर

विदिशा की सांची रोड स्थित एसबीआई वाणिज्य शाखा ने संदिग्ध खाते को फ्रीज कर दिया। हालांकि, बैंक के अलर्ट होने तक इस खाते से करीब 23 करोड़ 27 लाख रुपये निकाले जा चुके थे। जब बैंक ने कार्रवाई की, तब खाते में केवल 6 लाख रुपये ही शेष बचे थे।

10 हजार से 50 लाख तक के किए गए लेनदेन : पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने सितंबर 2025 में एक पार्टनरशिप फर्म के नाम से यह खाता खुलवाया था। इसके बाद एक सोची-समझी साजिश के तहत देशभर में साइबर फ्रॉड किया गया। इस खाते से 10 हजार से लेकर 50 लाख रुपये तक की भारी-भरकम रकम घुमाई गई। इतनी बड़ी राशि और इतने कम समय में किए गए ट्रांजेक्शन ने बैंकिंग और पुलिस तंत्र दोनों को चौंका दिया है।

मनी ट्रेल खंगाल रही पुलिस, मास्टरमाइंड की तलाश तेज : बैंक प्रबंधक धर्मवीर सिंह की रिपोर्ट पर कोतवाली थाने में मामला दर्ज किया गया है। सीएसपी अतुल सिंह ने बताया कि दो जालसाजों को पकड़ लिया गया है, लेकिन पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड अभी फरार है। पुलिस को इसके पीछे एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह के सक्रिय होने की आशंका है। फिलहाल पुलिस पूरी मनी ट्रेल खंगाल रही है ताकि यह पता चल सके कि करोड़ों की यह रकम किन-किन खातों में ट्रांसफर की गई और किन लोगों तक पहुंची है।

एमडी ड्रग्स मामले में दो फरार आरोपी गिरफ्तार

दोनों आरोपियों पर 1-1 हजार का था इनाम

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर पुलिस ने एमडी ड्रग्स के एक पुराने मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर चलाए जा रहे फरार और इनामी अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत की गई। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने सभी थाना प्रभारियों को ऐसे आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने के निर्देश दिए थे। सोमवार को सुवासरा पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपी क्षेत्र में देखे गए हैं। थाना प्रभारी अनिल रघुवंशी के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी भारत कटारा और उनकी टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

दोनों पर था इनाम : गिरफ्तार आरोपी शिवपाल उर्फ श्रीपाल (31) ग्राम कुण्डला बुजुर्ग, थाना शामगढ़ का निवासी है। दूसरा आरोपी ईश्वर (23) ग्राम साकरिया खेड़ी, थाना शामगढ़ का रहने वाला है। दोनों पर मंदसौर एसपी द्वारा एक-एक हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने बताया कि दोनों से अवैध मादक पदार्थ कहां से लाया गया, इस बारे में पूछताछ की जा रही है। आगे की जांच पूरी होने के बाद दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा।

भिंड में हत्या के प्रयास में 7 साल की सजा

पांच साल पुराने मामले में मुख्य आरोपी दोषी, सबूतों के अभाव में सह-आरोपी बरी

मीडिया ऑडीटर, भिंड (निप्र)। भिंड जिला न्यायालय ने पांच साल पुराने हत्या के प्रयास के मामले में सुनवाई करते हुए मुख्य आरोपी को सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोषी पर अर्थदंड भी लगाया है। वहीं, सह-आरोपी को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया गया।

प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत में विचाराधीन यह प्रकरण 18 जून 2020 का है। घटना सुरपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम चिलौंगा की है। अपर लोक अभियोजक अवधेश चौधरी के अनुसार, फरियादी रामविलास गांव के पास बकरियां चरा रहे थे, जबकि उनका बेटा अंशू खटीक खेत की ओर जा रहा था। इसी दौरान वह गोल्डी उर्फ तरुण के घर के सामने से निकला।

तरुण ने अवैध कट्टे से चलाई गोली : पुरानी रंजिश के चलते दोनों के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि कहासुनी बढ़ने पर गोल्डी उर्फ तरुण ने अवैध कट्टे से अंशू पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना की और गोल्डी उर्फ तरुण व मतई जाटव के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शी गवाहों, चिकित्सकीय रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध किए।

न्यायालय ने गोल्डी उर्फ तरुण को दोषी ठहराते हुए सात वर्ष के सश्रम कारावास एवं 12 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। वहीं, सह-आरोपी मतई जाटव के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य न मिलने पर उसे दोषमुक्त कर दिया गया।

गोहद में सीएमओ से मारपीट का मामला

विधायक बोले- हाथापाई तो होती रहती, पार्षद पुत्र ने कहा- लड़ाई जारी रहेगी

मीडिया ऑडीटर, भिंड (निप्र)। भिंड में गोहद नगर पालिका में सीएमओ के साथ कथित मारपीट का मामला अब तूल पकड़ चुका है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद जहां राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है, वहीं पार्षद पुत्र और सीएमओ के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। मामला गोहद क्षेत्र का है। वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद पुत्र बल्लू सेमर का नगर पालिका सीएमओ महेश चंद्र जाटव से किसी मुद्दे को लेकर विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान विवाद इतना बढ़ा कि स्थिति हाथापाई तक पहुंच गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आ गया।मीडिया द्वारा जब इस मामले में कांग्रेस विधायक केशव देसाई से सवाल किया गया तो उन्होंने पहले इसे केवल कहासुनी बताया। हालांकि वीडियो का हवाला दिए जाने पर उन्होंने कहा कि ÷हाथापाई तो होती रहती है, यह कोई बड़ी बात नहीं है। अपराधी कौन है, यह पुलिस तय करेगी।÷ विधायक के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा और तेज हो गई है।दूसरी ओर पार्षद पुत्र बल्लू सेमर ने सीएमओ पर गंभीर

आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि 126 विनियतीकरण कर्मचारियों के वेतन का मुद्दा उठाने पर सीएमओ ने उन्हें गलत तरीके से नियुक्त बताते हुए वेतन देने से इनकार कर दिया।

शहर में अतिक्रमण, सरकारी आवास आवंटन और नगर पालिका में कथित अनियमितताओं को लेकर भी उन्होंने सवाल उठाए। पार्षद पुत्र ने आरोप लगाया कि सीएमओ पदस्थ होने के बाद से नगर पालिका में भ्रष्टाचार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर पीछे नहीं हटेंगे और यह लड़ाई जारी रहेगी।

खरगोन में कटे गेहूं के ढेर में लगी आग

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के झिरन्या क्षेत्र में एक किसान के खेत में कटे गेहूं के ढेर में आग लग गई। सोमवार रात हुई इस घटना में लगभग 100 बोरी गेहूं और चारा जलकर राख हो गया। किसान को करीब 3.50 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है। यह घटना झिरन्या तहसील के देवीत बुजुर्ग गांव में किसान रघुवीर पिता भीमसिंह राजपूत के खेत में हुई। आग लगने की सूचना पर ग्रामीण आग बुझाने दौड़े। आग को फैलने से रोकने के लिए ट्रैक्टर से आसपास की जमीन को जोत दिया गया।

अस्पताल के टॉयलेट में मिला हत्या के आरोपी का शव

पत्नी को जिंदा जलाने का था केस, सिविल सर्जन बोले- खुद नाड़े से फंदा बनाकर लटका

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिला अस्पताल के सर्जिकल वार्ड में मंगलवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब पत्नी की हत्या के आरोपी जमुना प्रसाद गौर (60) का शव शौचालय में फांसी के फंदे पर लटका मिला। डॉक्टर और स्टाफ का कहना है कि आरोपी ने आत्महत्या के लिए अपनी हाफ पैंट (बरमूडा) के नाड़े का इस्तेमाल किया। पुलिस की शुरुआती जांच में मामला पूरी तरह आत्महत्या का नजर आ रहा है।

पुलिस के अनुसार- जमुना पत्नी को आग लगाकर मौके से फरार हो गया था। इसने 25 फरवरी को विदिशा में ट्रेन के सामने आत्महत्या की कोशिश की थी। आरपीएफ ने घायल हालत में उसे विदिशा अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां से

वह सोमवार सुबह भाग निकला था।

जिला अस्पताल में एक दिन पहले हुआ था भर्ती : दोपहर में रायसेन जिला अस्पताल आ गया। सिविल सर्जन डॉ. यशपाल बाल्यान ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 9 बजे आरोपी जमुना प्रसाद ने स्टाफ से बाथरूम जाने की बात कही। स्टाफ उसे बाथरूम ले गया। उसने अंदर से गेट लगा लिया।कुछ देर बाद अंदर से छटपटाने की आवाजें आईं तो अस्पताल स्टाफ मौके पर पहुंचा। दरवाजा तोड़कर जमुना प्रसाद का बाहर लेकर आए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसने चड्?ढे का नाड़ा निकालकर खिड़की पर फंदा बनाया और उससे लटक गया। डॉक्टर के अनुसार- जमुना प्रसाद सोमवार दोपहर अकेले ही जिला अस्पताल आया था, उसका एक पैर टूटा हुआ था। हालत गंभीर थी, इसलिए उसे भर्ती कर लिया गया था।दूध में पानी मिलाने के शक में पत्नी को जलाया

पुलिस के अनुसार, 20 फरवरी को आरोपी जमुना प्रसाद गौर ने पत्नी महफूल पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की थी। पत्नी ने बचाव के लिए उससे झूमा-झटकी की और माचिस छुड़ा ली। इस पर गुस्साए पति ने लाइटर जलाकर पत्नी को आग के हवाले कर दिया। जलती पत्नी को भीतर छोड़कर बाहर से गेट लगाकर फरार हो गया था। शोर सुनकर पड़ोसियों ने उसे बाहर निकला और रायसेन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। करीब 75 प्रतिशत जल चुकी महिला की हालत देखकर डॉक्टरों ने तत्काल उसे भोपाल रेफर कर दिया था। 25 फरवरी को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जांच में सामने आया था कि जमुना को सुबह दूध पीने की आदत थी। उसे शक था कि पत्नी दूध में पानी मिला देती है। इसे लेकर कई बार पहले भी विवाद हुआ था। घटना वाले दिन भी इसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने पत्नी को जला दिया था।

समाज से कर दिया था बहिष्कृत: इस घटनाक्रम से नाराज गौर समाज ने आरोपी जमुना प्रसाद के परिवार को समाज से बाहर कर दिया था।

हरदा में नहर में डूबे बालक का शव मिला

चार दोस्तों के साथ नहाने गया था, तीसरे दिन झाड़ियों में फंसा मिला

मीडिया ऑडीटर, हरदा (निप्र)। हरदा में सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के शर्मा कॉलोनी निवासी 14 वर्षीय कमलेश मलाजपुरे का शव मंगलवार सुबह नहर से बरामद किया गया। कमलेश रविवार को अपने चार दोस्तों के साथ नहर में नहाने गया था, जहां सोनखेड़ी के पास तेज बहाव में बह गया था।

जानकारी के अनुसार शव घटनास्थल से करीब 800 मीटर दूर अबगांव खुर्द के पास शंकर मंदिर की पुलिया के पास नहर की झाड़ियों में फंसा मिला। पुलिस ने शव को नहर से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।नहाने जाने से पहले बनाया था वीडियो कमलेश अपने चार दोस्तों के साथ बिना बताए नहर में नहाने गया था। नहाने जाने से ठीक पहले बाइक से जाते हुए उन्होंने एक वीडियो भी बनाया था।

उसके साथ गए दोस्तों में केलनपुर निवासी शुभम साकल्ले, आयुष साकल्ले, जोशी कॉलोनी निवासी यश चावड़ा और शर्मा कॉलोनी निवासी मिलन सोलंकी शामिल थे। ये सभी साथी नहर से बाहर आ गए और उन्होंने किसानों व ग्रामीणों को घटना की सूचना दी थी। घटना स्थल पर कमलेश के कपड़े और चप्पलें मिली थीं।3 दिन बाद मिला शवघटना के बाद से ही पुलिस और होमगार्ड के जवान बालक की तलाश कर रहे थे। होमगार्ड और एसडीईआरएफ की टीम ने बड़ी नहर में घटना स्थल से लेकर देवास के बीच करीब 16 किलोमीटर तक और पास की जुगरिया माइनर में करीब 8 किलोमीटर तक सघन तलाशी अभियान चलाया।

ICC टूर्नामेंट में भारत-इंग्लैंड के बीच 5वां सेमीफाइनल, दो बार हार चुकी है टीम इंडिया

आसान नहीं अंग्रेजों की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला 5 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। अगर दोनों टीमों के इतिहास की बात करें तो टी20 वर्ल्ड कप में यह लगातार तीसरा सेमीफाइनल है। वहीं उससे पहले दो बार वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भी भारत और इंग्लैंड की भिड़ंत हो चुकी है। यानी अभी तक कुल 4 आईसीसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में दोनों टीमों का सामना हुआ है। खास बात यह है कि रिकॉर्ड कांटे का है। क्योंकि दो बार सेमीफाइनल में भारत को जीत मिली है तो दो बार भारतीय टीम सेमीफाइनल में अंग्रेजों से हारी भी है। एक बार वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल और एक बार टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने भारत को हराया है। वहीं भारत ने भी एक बार वनडे वर्ल्ड कप और एक बार टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अंग्रेजों को मात दी है। ऐसे में भारत के लिए अंग्रेजों की चुनौती आसान नहीं होगी।

कब-कब भारत और इंग्लैंड के बीच हुआ सेमीफाइनल?- 1983 वनडे वर्ल्ड कपः इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम कपिल देव की कप्तानी में पहली बार विश्व चैंपियन बनी थी। भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फिर फाइनल में वेस्टइंडीज को हराकर टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप जीता था। 1987 वनडे वर्ल्ड कपः ग्राहम गूच के स्वीप शॉट सबसे ज्यादा मशहूर इसी सेमीफाइनल मुकाबले से हुए थे। इस मैच में भारतीय टीम के गेंदबाज गूच की बल्लेबाजी के सामने नतमस्तक हो गए थे। भारत को इस सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड ने 35 रन से हराकर 1983 की हार का बदला लिया था। मगर अंग्रेज टीम फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी और विश्व चैंपियन नहीं बन पाई थी। 2022 टी20 वर्ल्ड कपः टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में भारतीय टीम का सामना इंग्लैंड से हुआ था। इस मैच में इंग्लिश ओपनर्स जोस बटलर और एलेक्स हेल्स ने भारतीय गेंदबाजों की जो क्लास लगाई थी, वो शायद टीम कभी न भूल पाए। क्योंकि 169 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड ने 16 ओवर में हासिल कर लिया था और 10 विकेट से मुकाबला जीता था। इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड चैंपियन भी बनी थी। 2024 टी20 वर्ल्ड कपः रोहित शर्मा की कप्तानी में 2024 टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया ने सेमीफाइनल में अंग्रेजों से पिछले वर्ल्ड कप की हार का बदला लिया था। इस सेमीफाइनल मैच में भारत ने इंग्लैंड को 68 रन से हराकर फाइनल में एंट्री की थी। उसके बाद फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप का खिताब जीता था।

भारत-इंग्लैंड का टी20 वर्ल्ड कप में हेड टू हेड रिकॉर्ड

टी20 वर्ल्ड कप में भारत और इंग्लैंड का पांच बार आमना-सामना हुआ है। भारत ने तीन मैच जीते हैं तो इंग्लिश टीम को दो बार जीत मिली है। 2007 वर्ल्ड कप से यह सिलसिला उस मैच से शुरू हुआ था जिसमें युवराज सिंह ने छह छक्के एक ओवर में स्टुअर्ट ब्रॉड पर लगाए थे। उसके बाद 2009 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड ने भारत को हराया था। फिर 2012 में भारत ने इंग्लैंड को 90 रन से मात दी। उसके बाद 2022 सेमीफाइनल में इंग्लैंड और 2024 सेमीफाइनल में भारत को जीत मिली।

सचिन पहले तो लारा नंबर 10; अकरम, कोहली, पोटिंग भी शामिल

ब्रेट ली ने चुने ऑल-टाइम ग्रेटेस्ट टॉप 10 क्रिकेटर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने अपनी पसंदीदा टॉप 10 ग्रेटेस्ट क्रिकेटर ऑफ ऑल टाइम का चयन किया। उन्होंने अपनी टॉप 10 की लिस्ट में जिन खिलाड़ियों का चयन किया उन्होंने इसके लिए उन्हें ब्लाइंड रैंकिंग दी यानी होस्ट ने किसी खिलाड़ी का नाम लिया और ब्रेट ली ने बिना सोचे उन्हें टॉप 10 में क्रम दिया।

ब्रेट ली ने सचिन तो पहले नंबर पर रखा- ब्रेट ली ने वर्जिन रेडियो दुबई पर एक कार्यक्रम के दौरान टॉप 10 खिलाड़ियों का चयन किया। ब्रेट ली ने अपनी इस लिस्ट में 3 भारतीय खिलाड़ियों को शामिल किया जबकि साउथ अफ्रीका के 2 खिलाड़ियों को उन्होंने इसमें जगह दी। इसके अलावा ली ने इसमें ऑस्ट्रेलिया के 2, पाकिस्तान,श्रीलंका और इंग्लैंड के एक-एक प्लेयर्स को जगह दी। ब्रेट ली ने ऑलटाइम ग्रेटेस्ट टॉप 10 खिलाड़ियों की लिस्ट में सचिन तेंदुलकर को पहले स्थान पर रखा जबकि दूसरे नंबर पर उन्होंने साउथ अफ्रीका के जैक कैलिस को रखा। तीसरे नंबर पर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर शेन वॉर्न को रखा जबकि विराट कोहली को चौथे स्थान पर अपनी इस लिस्ट में जगह दी। ब्रेट ली ने पांचवें नंबर पर इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज जो रूट को रखा।

वसीम अकरम को भी लिस्ट में दी जगह- ब्रेट ली में इस टॉप 10 की लिस्ट में पाकिस्तान के एक खिलाड़ी को शामिल किया और वो वसीम अकरम हैं जिन्हें छठे नंबर पर रखा जबकि टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को उन्होंने सातवें नंबर पर रखा। ली ने श्रीलंका के पूर्व ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन को 8वें नंबर पर रखा जबकि नौवें नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को जगह दी। उन्होंने दसवें स्थान पर वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा को रखा।

ट्रैवल में रुकावट

● जिंबाब्वे क्रिकेट टीम की भारत से वापसी में देरी

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते संकट की वजह से एयर ट्रैवल में रुकावट आई है। इससे जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम को भारत से घर वापसी में देरी का सामना करना पड़ रहा है, जिनका आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सफर समाप्त हो गया है। सिकंदर रजा की कप्तानी में जिम्बाब्वे ने ग्रुप स्टेज में एक भी मैच नहीं गंवाया। इस टीम ने पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज की थी। हालांकि, जिम्बाब्वे को सुपर 8 स्टेज में ग्रुप 1 के तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन जिम्बाब्वे ने अपने कैंपेन का अंत गर्व से किया है। विश्व कप अभियान के अंत के बाद इस टीम को दुबई के रास्ते ट्रैवल करना था, लेकिन वहां का एयरपोर्ट बंद होने की वजह से उसे घर लौटने के लिए दूसरे इंतजाम का इंतजार करना पड़ रहा है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) कंफर्म करता है कि जिम्बाब्वे की सीनियर पुरुष टीम आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 कैंपेन खत्म होने के बाद भारत में सुरक्षित है। टीम को दुबई के रास्ते घर लौटना था, लेकिन मिडिल ईस्ट में बदलते हालात की वजह से ट्रैवल प्लान पर असर पड़ा है, जिससे जरूरी ट्रांजिट रूट में रुकावट आई है।'

जेडसी ने कहा कि वह आईसीसी के दूसरे ट्रैवल इंतजाम करने के लिए इमरजेंसी उपायों पर काम करने का इंतजार कर रहा है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने इमरजेंसी उपाय शुरू कर दिए हैं और ट्रैवल के दूसरे इंतजाम करने के लिए इंटरनेशनल एयरलाइन कंपनियों के साथ काम कर रही है। जेडसी, आईसीसी और टीम मैनेजमेंट के साथ लगातार बातचीत कर रही है, ताकि टीम की सुरक्षित और समय पर वापसी सुनिश्चित हो सके।

इसमें कहा गया, 'जैसे-जैसे और जानकारी मिलेगी, आगे अपडेट दिए जाएंगे।' इससे पहले, जिम्बाब्वे के हेड कोच जस्टिन सैमंस ने कहा था कि टीम के ट्रैवल प्लान अभी भी निश्चित नहीं हैं, क्योंकि नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में साउथ अफ्रीका से आखिरी सुपर-8 मैच में पांच विकेट से हार के साथ उनका मेंस टी20 वर्ल्ड कप कैंपेन खत्म हो गया था।

पीजीटीआई 72 लीग : फाइनल की रेस में राजस्थान ने हासिल की मामूली बढ़त

नूंह, एजेंसी। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई की नई प्रोफेशनल गोल्फ लीग पीजीटीआई की 72वीं लीग में फाइनल की जंग बेहद रोमांचक हो गई है। नूंह के क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में अब चार टीमें फाइनल में पहुंचने की दौड़ में बनी हुई हैं। चौथे राउंड के बाद राजस्थान रीगल्स 39 प्वाइंट्स के साथ शीर्ष पर है। वहीं, यूपी प्रोमेथियंस 35 प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है। सोमवार को दोनों टीमों ने 32 प्वाइंट्स के साथ शुरुआत की, लेकिन दिन के खेल के बाद राजस्थान बढ़त बनाने में सफल रही। अब अंतिम लीग मुकाबले में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी, जिससे मुकाबला और दिलचस्प हो गया है। नवा रायपुर और चारमीनार चैंपियंस के पास भी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का अच्छा मौका है, दोनों के 31 प्वाइंट्स हो गए हैं, जो यूपी प्रोमेथियंस से सिर्फ चार प्वाइंट्स पीछे हैं। राजस्थान के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। चिकारंगप्पा एस. और ध्रुव श्योरन की जोड़ी ने अहम मैच ड्रॉ कराया। वहीं, हनी बैसोया ने शानदार खेल दिखाते हुए छह बर्डी और एक ईगल लगाया।

उन्होंने कप्तान अमरदीप सिंह मलिक के साथ मिलकर विरोधी टीम के प्रभागरन और मिशेल ओर्टोलानी को 4 और 3 से हराया। कप्तान अजीतेश संधू ने भी अपना सिंगल्स मैच जीता। संधू ने कहा कि टीम को अभी भी फाइनल में जगह पक्की करने के लिए अगले मैच में बेहतर खेल दिखाना होगा।

दूसरी ओर, यूपी प्रोमेथियंस को मुंबई एसेस के खिलाफ उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली और टीम केवल तीन अंक ही जोड़ सकी। यूपी के कप्तान भट्टाचार्य ने लंबी बर्डी पुट लगाकर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन उन्होंने माना कि टीम को राजस्थान के खिलाफ और बेहतर खेल दिखाना होगा। नवा रायपुर और चारमीनार चैंपियंस के भी 31-31 अंक हैं और वे भी फाइनल की दौड़ में बने हुए हैं। नवा रायपुर के अनंत सिंह अहलावत अब तक अपराजित खिलाड़ी हैं। अंक तालिका में मुंबई एसेस 24 प्वाइंट्स के साथ पांचवें और कोलकाता क्लासिक्स 11 प्वाइंट्स के साथ अंतिम स्थान पर है। मंगलवार को लीग चरण का अंतिम राउंड खेला जाएगा, जिसके बाद फाइनल में पहुंचने वाली दो टीमों का फैसला होगा।

पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से होगी साउथ अफ्रीका की भिड़ंत

नई दिल्ली, एजेंसी। टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका की भिड़ंत न्यूजीलैंड से 4 मार्च को होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर खेला जाना है। साउथ अफ्रीका इस टूर्नामेंट की इकलौती टीम है, जो विश्व कप में अजेय रही है। टी20 फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका का पलड़ा न्यूजीलैंड के खिलाफ भारी रहा है। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की कुल 19 बार भिड़ंत हुई है, जिसमें से 12 मुकाबलों में जीत प्रोटियाज टीम के हाथ लगी है। वहीं, न्यूजीलैंड ने सिर्फ 7 मैच जीते हैं। साउथ अफ्रीका का प्रदर्शन टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कमाल का रहा है। टीम ने टूर्नामेंट में अब तक खेले सभी मुकाबलों में जीत दर्ज की है। एडेन मार्करम की कप्तानी में साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 राउंड में भारत, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे को हराते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। साउथ अफ्रीका की तरफ से बल्लेबाजी में एडेन मार्करम बेहतरीन फॉर्म में नजर आए हैं। मार्करम 7 मैचों में 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 268 रन बना चुके हैं। वहीं, रयान रिकेल्टन भी लगातार बल्ले से अहम योगदान दे रहे हैं। रिकेल्टन 7 मैचों में 171 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 228 रन बना चुके हैं। क्विंटन डी कॉक ने भी पावरप्ले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को दमदार शुरुआत दी है। गेंदबाजी में लुंगी एनगिडी साउथ अफ्रीका की ओर से इस विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। एनगिडी 6 मैचों में अब तक 12 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। वहीं, कॉर्बिन बॉश 11 विकेट निकाल चुके हैं।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की टीम भी बेहतरीन लय में दिखाई दी है। बल्लेबाजी में टिम सीफर्ट ने 6 मुकाबलों में 157 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 216 रन बनाए हैं। वहीं, रचिन रविंद्र लगातार बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे रहे हैं। ग्लेन फिलिप्स ने भी न्यूजीलैंड की लड़खड़ाती हुई पारी को बखूबी संभाला है। गेंदबाजी में मिचेल सैंटनर, मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन ने बढ़िया प्रदर्शन किया है।

6-10 जून से भारत-अफगानिस्तान का होगा आमना-सामना

चंडीगढ़, एजेंसी। महाराजा यादविंद्र सिंह पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) पहली बार टेस्ट क्रिकेट की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। बीसीसीआई द्वारा सोमवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मुकाबला 6 जून से 10 जून 2026 तक मुल्लांपुर में खेला जाएगा। मुल्लांपुर स्थित इस अत्याधुनिक स्टेडियम में अब तक 11 आईपीएल मैच, एक पुरुष टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला तथा दो महिला वनडे मैच आयोजित किए जा चुके हैं। हालांकि क्रिकेट के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित प्रारूप टेस्ट क्रिकेट का यह पहला मुकाबला होगा, जिससे इस मैदान पर लाल गेंद के पांच दिवसीय क्रिकेट का रोमांच पहली बार देखने को मिलेगा। इससे पहले तक आईएस बिंद्रा पीसीए स्टेडियम टेस्ट क्रिकेट का गढ़ होता था द्य वही, एकमात्र टेस्ट मैच के बाद दोनों टीमें वनडे श्रृंखला के लिए धर्मशाला रवाना होंगी। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 14 जून 2026 को धर्मशाला में खेला जाएगा, जबकि दूसरा वनडे 17 जून को लखनऊ और तीसरा व अंतिम मुकाबला 20 जून को चेन्नई में आयोजित होगा। इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर पंजाब क्रिकेट जगत में उत्साह का माहौल है।पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सिद्धांत शर्मा ने कहा, 'हम बेहद उत्साहित हैं और यह हमारे लिए सम्मान की बात है। बीसीसीआई का धन्यवाद कि शुभमन गिल अपने गृह राज्य पंजाब में भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी करेंगे। यह पंजाब क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने धोन्धा प्रतापपुर में किया कृषि महाविद्यालय का भूमि पूजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम ने आज धोन्धा प्रतापपुर में बहुप्रतीक्षित कृषि महाविद्यालय का विधिवत भूमि पूजन संपन्न किया। उनके द्वारा आज 889.53 लाख राशि से निर्मित होने वाले कृषि महाविद्यालय भवन प्रतापपुर (धोन्धा) व 602.10 लाख से निर्मित होने वाले बालक एवं कन्या छात्रावास भवन प्रतापपुर (धोन्धा) का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैंकरा, जिला पंचायत सदस्य श्री लवकेश पैंकरा, क्षेत्र के किसान, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भूमि पूजन के पश्चात उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि यह दिन धोंधा प्रतापपुर और संपूर्ण क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि इस पावन भूमि पर कृषि महाविद्यालय की स्थापना से किसान बंधुओं की आने वाली पीढ़ियों के लिए उच्च कृषि शिक्षा के नए द्वार खुलेंगे।

मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। इस महाविद्यालय के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत खेती के तरीके और कृषि विज्ञान की उच्चस्तरीय शिक्षा अब उनके अपने गृह जिले में ही उपलब्ध होगी। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि महाविद्यालय का निर्माण कार्य शीघ्र एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाएगा।

इस अवसर पर प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते ने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि महाविद्यालय की स्थापना उनके क्षेत्र के लिए एक स्वप्न के साकार होने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय के लिए प्रयास आज सफल हुआ है जिसमें कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने ग्रामवासियों एवं किसान बंधुओं से कहा कि अब उनके बच्चों को उच्च कृषि शिक्षा के लिए दूर-दराज के बड़े शहरों में नहीं भटकना पड़ेगा। विधायक श्रीमती पोर्ते ने यह भी कहा कि यह महाविद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि क्षेत्र के कृषि विकास और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की नींव भी रखेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी।

इस कृषि महाविद्यालय की स्थापना से क्षेत्र के युवाओं को कृषि विज्ञान, उद्यानिकी, पशुपालन और ग्रामीण प्रबंधन जैसे विषयों में उच्च शिक्षा का अवसर मिलेगा। अब दूरदराज के ग्रामीण विद्यार्थियों को बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा और वे अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण कृषि शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

राज्यपाल रमेन डेका ने रेडक्रॉस सोसायटी संरक्षक के रूप में सदस्यता ग्रहण की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज रेडक्रॉस सोसायटी के संरक्षक के रूप में सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने संरक्षक सदस्य के रूप में आज कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह को 25 हज़ार रुपये का चेक प्रदान किया। इस दौरान राज्यपाल ने रेडक्रॉस की वर्तमान गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथिलेश चौधरी भी मौजूद रहे।

श्रमिकों को 1.51 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप सशक्त श्रमिक, समृद्ध छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने हेतु श्रम विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में प्रभावी पहल की गई है। इस अवधि में महासमुंद जिले के 3106 श्रमिकों एवं उनके परिवारों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से कुल 1 करोड़ 51 लाख 57 हजार 630 रुपए की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए सीधे बैंक खातों में अंतरित की गई। दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना अंतर्गत एक महिला हितग्राही को 1 लाख रुपए की सब्सिडी पर ई-रिक्शा प्रदान कर स्वरोजगार से जोड़ा गया। मिनीमाता महतारी जतन योजना से 93 शिशुवती महिलाओं को 18.60 लाख रुपए की सहायता दी गई। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत 29 परिवारों को 29 लाख रुपए प्रदान किए गए। नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना से 2502 विद्यार्थियों को 50.12 लाख रुपए की शैक्षणिक सहायता मिली। इसके अतिरिक्त श्रमिक औजार, सियान, नोनी सशक्तिकरण एवं सायकल सहायता योजनाओं से भी पात्र हितग्राही लाभान्वित हुए। हितग्राही श्रीमती लीला महानंद ने ई-रिक्शा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनने पर राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

शांति और विकास की नई इबारत लिखेगी बस्तर हेरिटेज मैराथन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर की धरती अब बदलाव की एक नई पदचाप सुनने को तैयार है। रविवार 22 मार्च को आयोजित होने वाली बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 न केवल खेल प्रेमियों के लिए एक मंच बनेगी, बल्कि यह पूरे क्षेत्र की नई और सकारात्मक पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने का एक महा-अभियान भी साबित होगी। इसको लेकर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने इस गौरवशाली आयोजन में प्रदेशवासियों से इस मैराथन में अपनी अधिकतम सहभागिता की अपील की है। केंद्र सरकार के फिट इंडिया कैंपेन के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना इस मैराथन का एक प्रमुख लक्ष्य है। प्रशासन का ध्येय है कि बस्तर को ऊर्जा, सकारात्मकता और अटूट एकजुटता के प्रतीक के रूप में राष्ट्रीय मानचित्र पर गौरवान्वित किया जाए। कलेक्टर ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे न केवल स्वयं इस दौड़ के लिए पंजीयन कराएं, बल्कि अपने आसपास के लोगों, मित्रों और परिजनों को भी इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जितनी बड़ी भागीदारी होगी, बस्तर की एकजुटता का संदेश उतना ही सशक्त होकर उभरेगा। जगदलपुर में आगामी 22 मार्च को होने वाली इस दौड़ का ध्येय वाक्य स्वस्थ बस्तर, शांतिपूर्ण बस्तर और सशक्त बस्तर रखा गया है, जो यहाँ के सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की दिशा को दर्शाता है। इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनने के लिए प्रतिभागी आधिकारिक वेबसाइट www.bastarheritage.run पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से महिलाओं को मिली नई पहचान

हर्बल गुलाल निर्माण से आत्मनिर्भर बनीं झाटीबिन की दीदियां

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कोंडागांव जिले के फरसगांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत झाटीबिन की महिलाओं ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के माध्यम से आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। वर्ष 2011 में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रारंभ इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के जरिए संगठित कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

ग्राम झाटीबिन के शीतला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष सुशीला एवं सचिव सुमित्रा के नेतृत्व में 02 फरवरी 2020 से हर्बल गुलाल निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। समूह को बैंक लिंकेज के माध्यम से 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। अब तक समूह द्वारा 3,09,900 रुपये की लागत से हर्बल गुलाल का उत्पादन कर 5,20,300 रुपये की आय अर्जित की गई है, जिससे

2,10,400 रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ है। इस वर्ष में होली पर्व को ध्यान में रखते हुए समूह की महिलाओं ने 72,750 रुपये की लागत से लगभग 5 क्विंटल हर्बल गुलाल तैयार किया है। प्राकृतिक पुष्पों एवं वनस्पतियों से निर्मित यह गुलाल रसायनमुक्त, त्वचा के लिए सुरक्षित तथा पर्यावरण के अनुकूल है। रासायनिक रंगों की तुलना में हर्बल गुलाल से त्वचा एलर्जी, जलन या आंखों को नुकसान की संभावना कम रहती है। साथ ही यह मिट्टी और जल स्रोतों को प्रदूषित नहीं करता, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। सामान्य गृहिणी से सफल उद्यमी बनने तक का यह सफर महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और सामूहिक प्रयास का परिणाम है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने उन्हें न केवल रोजगार उपलब्ध कराया है, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम भी प्रदान किया है। इस होली अपनों के साथ हर्बल गुलाल से रंगों का उत्सव मनाएं और स्थानीय स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को अपनाकर महिला सशक्तिकरण को समर्थन दें।

होली त्योहार पर अबेडकर अस्पताल में 24 घंटे जारी रहेगी इमरजेंसी सेवा

अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने मेडिकल स्टाफ के लिए जारी किए विशेष निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। होली त्योहार के मद्देनज़र अम्बेडकर अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ तथा पैरामेडिकल स्टाफ सहित सभी विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। होली के दौरान संभावित दुर्घटनाओं एवं आपात स्थितियों को ध्यान में रखते हुए अधीक्षक डॉ. सोनकर द्वारा आपातकालीन सेवाओं के निर्बाध संचालन के विशेष निर्देश दिए गए हैं। होली त्योहार के दिन 4 मार्च को शासकीय अवकाश होने के कारण अस्पताल में बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) का संचालन नहीं होगा। हालांकि, इमरजेंसी सेवा पूर्व की भांति 24 घंटे निरंतर जारी रहेगी। आपात चिकित्सा विभाग में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की

असुविधा न हो, इसके लिए सभी वार्डों में जीवन रक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा समस्त मेडिकल स्टाफ को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए गए हैं।

त्योहार को देखते हुए अस्पताल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया गया है। आवश्यकतानुसार मरीजों को डीकेएस अस्पताल स्थित सुपर स्पेश्यलिटी विभाग में रेफर किए जाने के लिए अम्बेडकर अस्पताल से डीकेएस अस्पताल तक एम्बुलेंस परिवहन सेवा उपलब्ध रहेगी।

छीसगढ़ अधिवक्ता कल्याण निधि न्यास समिति की बैठक सपन्न

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ अधिवक्ता कल्याण निधि न्यास समिति की बैठक आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में विधि एवं विधायी तथा शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव की अध्यक्षता में तथा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री धरमलाल कौशिक की विशेष उपस्थित में सम्पन्न हुई। बैठक में महाधिवक्ता श्री विवेक शर्मा, प्रमुख सचिव विधि एवं विधायी विभाग सुषमा सावंत, अधिवक्ता शैलेन्द्र दुबे, वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील ओटवानी, छत्तीसगढ़ अधिवक्ता कल्याण निधि न्यास समिति के अन्य सदस्य सहित भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम, वित्त तथा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

अधिवक्ताओं के हितों एवं कल्याण के लिए विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अधिवक्ताओं के लिए सामूहिक बीमा, पेंशन, नए अधिवक्ताओं के मानदेय, चिकित्सा बीमा, अधिवक्ताओं के कल्याण हेतु मृत्युदावा राशि का प्रावधान सहित छत्तीसगढ़ अधिवक्ता संरक्षण विधेयक के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

हर्बल गुलाल से सजेगी होली, लैलूंगा की स्व-सहायता समूहों ने रचा सफलता का रंग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायगढ़ जिले में इस वर्ष होली पर्व प्राकृतिक एवं रासायनिक मुक्त रंगों के साथ मनाने की पहल को व्यापक समर्थन मिल रहा है। लैलूंगा क्षेत्र की स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार हर्बल गुलाल की काफी डिमांड है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत दिव्या स्व-सहायता समूह सलखिया एवं संतोषी स्व-सहायता समूह रूडूकेला की महिलाओं ने हल्दी, चुकंदर, लालभाजी, पालक, परसा फूल, संतरे के छिलके एवं लेमनग्रास जैसे प्राकृतिक तत्वों से गुलाल तैयार किया है।

महिलाओं ने लगभग एक माह पूर्व 5 क्विंटल हर्बल गुलाल का उत्पादन किया, जिसमें से 4 क्विंटल की बिक्री हो चुकी है। कलेक्टोरेट एवं जनपद पंचायत लैलूंगा परिसर में लगाए गए स्टॉल पर उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने स्टॉल का अवलोकन कर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों को आयमूलक गतिविधियों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। समूह की सदस्याओं ने बताया कि उन्हें प्रशिक्षण एवं जिला प्रशासन का सतत सहयोग प्राप्त हो रहा है।

पान की विलुप्त होती खेती को नया जीवन

छुईखदान में पान अनुसंधान केन्द्र की स्थापना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खैरागढ़ छुईखदान, गंडई जिले के विकासखण्ड छुईखदान में पूर्व में पान की खेती व्यापक रूप से की जाती थी, किन्तु तकनीकी मार्गदर्शन के अभाव एवं आवश्यक प्लांटिंग मटेरियल की उपलब्धता न होने के कारण यह परंपरागत खेती धीरे-धीरे विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई थी। पान की इस पारंपरिक फसल को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा वर्ष 2023-24 में विकासखण्ड छुईखदान में पान अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने की घोषणा की गई। यह केन्द्र रानी अवंती बाई लोधी कृषि महाविद्यालय छुईखदान में स्थापित किया गया है।

पान उत्पादक कृषकों को प्रोत्साहित करने के लिए शेडनेट हाउस अधोसंरचना निर्माण हेतु 50 प्रतिशत विभागीय अनुदान प्रदान किया जा रहा है। वर्तमान में 7 कृषकों द्वारा प्रति कृषक 500 वर्गमीटर क्षेत्रफल में शेडनेट हाउस का निर्माण कराया गया है, जिसके लिए प्रति कृषक 1.77 लाख रुपये का अनुदान उद्यानिकी विभाग द्वारा प्रदान किया गया है। इनमें से 6 कृषक वर्तमान में पान की खेती कर रहे हैं। इस पहल से पान उत्पादक कृषक प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों में भी अनुकूल वातावरण में पान की खेती कर बेहतर आय अर्जित कर सकेंगे।

आवश्यक प्लांटिंग मटेरियल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि महाविद्यालय के सहयोग से जिले में स्थापित शासकीय उद्यान रोपणी कुकुरमुड़ा एवं बीरूटोला में भी पान की खेती का प्रदर्शन प्लॉट तैयार किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा इस विशेष पहल की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा समय-समय पर स्थल निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। साथ ही, रानी अवंती बाई लोधी कृषि महाविद्यालय छुईखदान के विषयवस्तु विशेषज्ञों द्वारा कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है, जिससे जिले में पान की खेती को पुनः स्थापित कर किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

15 दिनों में 15 उद्योगों पर उत्पादन बंद एवं विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई

उल्लंघनकारी उद्योगों पर पखवाड़े भर में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल की कड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर द्वारा क्षेत्रांतर्गत संचालित औद्योगिक इकाइयों के पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन की नियमित एवं सतत निगरानी की जा रही है। 10 फरवरी 2026 से 25 फरवरी 2026 की अवधि में किए गए नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षणों के दौरान विभिन्न उद्योगों में वायु एवं जल प्रदूषण संबंधी गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर मंडल द्वारा कड़ी वैधानिक कार्रवाई की गई है। मंडल द्वारा 15 दिनों में 15 उद्योगों पर उत्पादन बंद एवं विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई की गई।

स्पंज आयरन उद्योग पर कार्रवाई: ग्राम चरौदा, तहसील एवं जिला रायपुर स्थित स्पंज आयरन उद्योग मे0 पुष्प स्टील्स एंड माइनिंग प्रा. लिमिटेड (पूर्व नाम-इंडियन स्टील एंड पॉवर प्रा. लिमिटेड) में वायु प्रदूषण पाए जाने पर वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 31(क) के तहत उत्पादन बंद करने एवं विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई की गई।

मेटल पार्क, रावांभाठा में 11 इकाइयों पर कार्रवाई की गई, जिनमें मेटल पार्क, रावांभाठा क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान 09 स्लैग क्रशर, 01 बाइंडिंग वायर इकाई एवं 01 स्टील फर्नीचर इकाई बिना मंडल की वैध सम्मति एवं प्रदूषण की स्थिति में

संचालित पाई गई। इन कुल 11 इकाईयों के विरुद्ध वायु अधिनियम 1981 की धारा 31(क) एवं जल अधिनियम 1974 की धारा 33(क) के तहत उत्पादन बंद एवं विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई की गई।

सिलतरा एवं उरला क्षेत्र में भी कार्रवाई: सिलतरा स्थित इण्डक्शन फर्नेस उद्योग मे0 एसकेए इस्पात प्रा. लिमिटेड (पूर्व नाम-जोरावर इंजीनियरिंग एंड फाउंड्री फोर्ज प्रा. लिमिटेड) में वायु प्रदूषण पाए जाने पर 19 फरवरी 2026 को उत्पादन बंद करने एवं विद्युत विच्छेदन के आदेश जारी किए गए। इसी प्रकार उरला-गोंदवारा स्थित इण्डक्शन फर्नेस एवं सीसीएम उद्योग मे0 छत्तीसगढ़ फेरो ट्रेडर्स प्रा. लिमिटेड में वायु प्रदूषण पाए जाने पर उत्पादन बंद एवं विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई की गई।

9.22 लाख रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति: छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर द्वारा कार्रवाई के अतिरिक्त निमयों का उल्लंघन अवधि के लिए नियमानुसार पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति अधिरोपण की भी कार्रवाई की गई है। इस अवधि में कुल 03 उद्योगों पर कुल 9 लाख 22 रूपए की क्षतिपूर्ति राशि अधिरोपित की गई है। मंडल द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यह कार्रवाई पूर्णतः पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण को दृष्टिगत रखते हुए की गई है। संबंधित उद्योगों को निर्देशित किया गया है कि जब तक वे पर्यावरणीय मानकों, वैधानिक प्रावधानों एवं सम्मति शर्तों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित नहीं करते, तब तक संचालन की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों एवं आसपास के क्षेत्रों में निरीक्षण निरंतर जारी रहेगी तथा किसी भी उद्योग से प्रदूषक उत्सर्जन अथवा दूषित जल निस्सारण पाए जाने पर वायु एवं जल अधिनियमों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा